(1) कृषि गो सेवा संघ - 1 - 49

(2) भूदान बोर्ड तथा कानून - 50 - 96

(3) ग्राम स्वराज्य कोष - 97 - 122

(4) ग्राम निर्माण योजना - 123 - 132

www.vinoba.in

कृषि - गो - सेवा

सर्व सेवा संघ	स्थान	तारीख	टाईप पृ०नंबर
(1) कृ० गो सेवा विभाग के मंत्री राधाकृष्ण बजाज ।	वर्धा	21-10-50	1
(2) "कृषि गो सेवा" विभाग का नाम तय	"	5-1-51	1
(3) गोरस भंडार में मिल की शक्कर का उपयोग न हो हो ।	"	"	2
(4) 31 मार्च 51 तक की गो सेवा संघ की आर्थिक स्थिति तथा सर्व सेवा संघ में गोसेवा संघ विलीन करनेवाला प्रस्ताव	शिवरामपल्ली	7-4-51	2
(5) वृंदावन(बिहार) में गो सेवा के लिये 56 हजार स्वीकृत ।	वर्धा	23-11-51	3
(6) कृ०गो०सेवा संघ का पूरक बजट रु० 4500 की स्वीकृत	बजाजवाडी	23-7-52	4
(7) गोवध बंदी के बारे में संघ अभी बयान न दे ।	सेवाग्राम	8-10-52	5
(8) दिल्ली का गोरस भंडार संघ न ले	वर्धा	4-2-54	5
(9) कृषि गो सेवा नीति संबंधी अधिवेशन में प्रस्ताव ।	बंगलोर	29-10-60	6

प्रबंध समिति :

(10) कृषि गो सेवा समिति का 31 मार्च 1951 का हिसाब स्वीकृत 85422-7-2 का	शिवरामपल्ली	10-4-51	7-8
(11) बळवंतराव देशपांडे कृषि गो-संघ के उपमंत्री	बजाजवाडी	21-9-51	9
(12) बिहार गो सेवा संघ को पेशगी देने के बारे में संघ तय करे ।	बजाजवाडी	10-10-51	9-10
(13) गुंडमुंड पिपरी की जमीनमें से कुछ बेची जाय ।	वर्धा	23-1-52	10

www.vinoba.in

(14) बजट 1,01,951 रु० का बजट स्वीकृत ।	वर्धा	27-4-52	11
(15) बजलेकरजी को अपवाद स्वरूप रु० 300 वेतन ।	वर्धा	"	12
(16) फिलहाल 3 माह का बजट स्वीकृत	वर्धा	23-4-53	12
(17) जयपुर गोरसभंडार नुकसान ~~x8x8~~ 1750 मंजूर	खादीग्राम	2-9-53	13
(18) अंकित रकम 9358) नफानुकसान को है वह निधि में जमा की जाय ।	खादी ग्राम	"	14
(19) गोरस भंडार को प्रवृत्ति चलाई जाय	सेवाग्राम	21-9-53	14
(20) दिल्ली गोनसल सुधार योजना के लिये 1500 की सहायता	सेवाग्राम	"	15
(21) बजट 24603-8-0 का स्वीकृत	"	"	16
(22) पीपरी केंद्र को पूंजी । लाखा 75 हजार 510 की उसकी विगत	"	"	17
(23) कृषि गो सेवा विभाग 1-1-54 से केंद्रीय दफ्तर द्वारा चलाया जाय राधाकृष्ण बजाजको मंत्रीपद से मुक्ति दी जाय ।	दिल्ली	1-2-53	19
(24) धुलीया के रामेश्वरजल द्वारा रु० 3530-7-0 दिये दानका उपयोग धुलीया में ही गोशाला के काम में किया जाय ।	बोधगया	22-4-54	20
(25) शांति कुटी पर जमनालाल जी का स्मारक बनाया जाय ।	मुजफ्फरपुर	28-7-54	21
(26) जैसलमीर में स्थानिक संस्था केंद्र चलावे तो संघ 7 हजार की पूंजी दे सकेगा ।	"	"	21
(27) वर्धा गोरसभंडार को ऑपरेटीव्ह न किया जाय ।	सेवाग्राम	28-11-54	22
(28) राजस्थान गौ सेवा संघ स्वतंत्र रजिस्टर हुआ उसको वहां का 5 हजार का सामान और खर्च के लिये 3600 दिये जाय ।	सेवाग्राम	"	23

	स्थान	तारीख	टाईप पृष्ठ नं0
(29) नस्ल सुधार के लिये चार संस्थाओं को 8500 रु0 सहायता।	सेवाग्राम	28-11-54	22 (23)
(30) राजस्थान शासन से मिली रकममें से शेष रकम रु0 41987 राजस्थान गो सेवा संघ को दे दी जाय।	बांकुडा	8-1-55	24
(31) जैसलमेर घी उत्पादन के लिये राजस्थान गो सेवा संघ को और सात हजार रुपये सहायता दी जाय।	बांकुडा	8-1-55	25
(32) ग्राम सेवा मंडल को गोशाला को अंकित निधि में से 5 हजार रुपये सहायता स्वरूप दिये जाय।	सर्वोदयपुरी	21-3-55	26
(33) द्रिचूर (आंध्र) में गो सेवा के काम के लिये 5000) स्वीकृत अण्णासाहब वहां का काम देखकर तय करें।	"	"	26
(34) सेवापुरी के ग्राम सेवा विधालय की गंगातीरी नस्ल सुधार योजना के लिये 3 साल तक वार्षिक 1500 रु0 स्वीकृत।	मगनवाडी	28-6-55	27
(35) कृषि गोपालन केंद्र की योजना के लिये राजस्थान गो सेवा संघ को 21 हजार की सहायता।	बेझवाडा	12-12-55	27
(36) सर्वोदय केंद्र खोमेल को एक हजार गाय खरीदके लिये सहायता।	बेझवाडा	"	28
(37) राजस्थान को श्री परशुरामभाई की कृषि स्वालंबन प्रयोग के लिये 700 रु0 स्वीकृत।	"	"	29
(38) 1954-55 ऑडिट रिपोर्ट स्वीकृत	धर्मपुरी	4-8-56	29
(39) अंकित निधि में से राजस्थान गो सेवा संघ के कृषि गोपालन केंद्र दुर्गापुर को 31 हजार की सहायता स्वीकृत	पलनी	19-11-56	30
(40) पिपरी केंद्र को रकमपर व्याज आकारा जाय या नहीं इसका निर्णय आगे की बैठक में करें।	"	"	30
(41) स्थायी गो सेवा समिति का गठन 5 व्यक्तियों का संयोजक रा. बजाज।	सेवाग्राम	8-7-57	31
(42) 12 मार्च 1959 में सीकर में कृषि गो सेवा संमेलनमें गोसेवा के काम का नया मोड देना तय हुआ।			

www.vinoba.in

	थान	तारीख	टाईप पृष्ठ नंबर
इसलिये नयो कृषि गो-सेवा समिति 18 व्यक्तियों को अध्यक्ष ढेबरभाई रा. बजाज,- उपध्यक्ष, पारनेरकर-मंत्री देशपांडे -उपमंत्री ।	बंबई	20-4-59	31
43) पोपरे केंद्र का खर्च प्रधान केंद्र के द्वारा हो चले ।	बंबई	--"--	32
44) गो सेवा चर्मालय का संचालन कृषि गो सेवा समिति करें ।	बंबई	--"--	33
45) खेती प्रशिक्षण के लिये छात्रवृत्ति दो कार्यकर्ताओं के लिये सालभरमें 960 रु० ।	पुसारोड	1-7-59	33
46) गो सेवा ट्रेनिंग का काम शुरु होता हो तो बनवारीलालजी को 1500 तथा रेड्डीजो को 200 तक सहायता दो जाय ।	सेवाग्राम	25-8-59	33
47) गांधी स्मारक निधि के पास कृषि गो सेवा समिति को ओरसे 8,12,500 रु० को योजना भेजो जाय, जिसमें 9 प्रकार के विविध कार्यक्रम हो ।	वाराणसो	29-10-59	34
(48) कृषि गो सेवा समिति को रिपोर्ट	सेवाग्राम	19-3-60	35-36
(49) पारनेरकरजो गोसंवर्धन कौन्सिल में जाने के कारण कृषि गो सेवा समिति के मंत्रीपद पर छगनलाल जोशो को नियुक्ती ।	बंगलोर	27-10-60	37-38
(50) गोरस भंडार तथा दूध को कम बिक्री के कारण 38971 रु० का अतिरिक्त xxxxxx घाटा हुआ उसकी मंजुरी	बंगलोर	"	38-39
(51) दक्षिण भारत कृषि गो सेवा समिति को दिये पाच हजार अनुदान में दिये जाय ।	सर्वोदयपुरम्	20-4-61	39
(52) गो संवर्धन के प्रश्नों को चर्चा ढेबरभाई ने उठाये हुए प्रश्नों का विनोबाजो द्वारा जबाब और गोसेवा को दृष्टि पर प्रकाश ।	आरामबाग	23-4-63	40-42

www.vinoba.in

	स्थान	तारीख	टाईप पृ. नं
53) कृषि गो सेवा समिति का पुनर्गठन ढेबरभाई अध्यक्ष, रा. बजाज उपाध्यक्ष तीन मंत्री, कुल 50 सदस्यों की समिति गठित ।	आरामबाग	23-4-63	42-44
54) गोवधबंदी आंदोलनपर विस्तृत प्रस्ताव प्रभुदत्त ब्रम्हचारी के अनशन की समिति तथा सरकार से प्रार्थना ।	मधुबनी	15-1-67	44-45
55) अ० भा० कृषि गो सेवा संघ की स्वायत्त संस्था रजिस्टर्ड की गई उसकी स्वीकृति • कानूनी कारवाई प्रबंधक ट्रस्टी करेंगे ।	आबूरोड	5-6-68	46
56) अ० भा० कृषि गो सेवा संघ का पूरा विधान स्वीकृत	आबूरोड	"	46-49
57) कृषि गो सेवा समिति सर्व सेवा संघ की ओरसे आगे भी चालू रहेगी 27 सदस्यों की नयी समिति ।	सोखोदेवरा		49

=.=.=.=.=.=.=

कृषि — गो-सेवा

प्रस्ताव

...

(सर्व सेवा संघ रजि नं० 1) (वर्धा— 21-10-50) पृ० नं० 37

प्रस्ताव नं० 1 :- **विभाग के मंत्री राधाकृष्ण बजाज**

...

गोसेवा संघ की साधारण सभा ने अपनी तारीख 4-8-50 की बैठक में गो-सेवा संघ को सर्व सेवा संघ में विलीन करने को जो प्रस्ताव किया है वह उपस्थित किया गया। निश्चित हुआ कि गो सेवा संघ को सर्व सेवा संघ में मिला लिया जाय और सर्व सेवा संघ के ट्रस्टी इस बारे में आवश्यक कानूनी दस्तावेज करा लेने का प्रबंध करें। गो सेवा के काम के लिए गो सेवा विभाग बनाया गया और श्री राधाकृष्णजी बजाज को उस विभाग का मंत्री बनाया गया।

...

(वर्धा - 5-1-51) पृ० नं० 61

प्रस्ताव नं० 5 :- **नामकरण।**

संघ की तारीख 11 अक्टूबर 50 की बैठक के प्रस्ताव नं० 1 के अनुसार गो-सेवा के काम के लिए एक विभाग बनाकर उसका नाम गो-सेवा विभाग रखा गया था। अब श्री राधाकृष्णजी ने सुझाया कि 'गो-सेवा और कृषि' अविभाज्य होने से विभाग के नाम से दोनों का उल्लेख रहे। तय हुआ कि इस विभाग का नाम 'कृषि गोसेवा विभाग' रखा जाय।

....

www.vinoba.in

पृ०नं० 65

वर्धा- 5-1-51)

प्रस्ताव नं० 12 गौरस भंडार में मिल शक्कर से बनी चीजें न रखें

...

हमारी संस्थाओं के भंडारों में यंत्र से बनी वस्तुओं के उपयोग और विक्री के बारे में खड़े हुए सवालों की चर्चा करने की मांग करनेवाला श्री० राधाकृष्ण बजाजा का तारीख 26-12-50 का पत्र पढ़ा गया ।

चर्चा होकर तय किया गया कि —

(1) गौरस भंडार वर्धा के पेडों में या दूसरी चीजों में मिल की शक्कर का उपयोग न किया जाय ।

(2) स्वराज्य भंडार (वर्धा) में जीनिंग फैक्टरी से निकली सरकी (कपास के बिनौले) और मिल की खली बेचने के लिए न रखी जाय । पर कृषि गो-सेवा विभाग की गोशालाओं में तथा गौरस भंडार में जिन का दूध लिया जाता है — उनकी गायों के लिए लगनेवाली सरकी (बिनौले) और खली रखने में बाधा नहीं है ।

.....

(शिवरामपल्ली — 7-4-51) (सर्व सेवा संघ रजि० नं० 1)

पृ०नं० 75

प्रस्ताव नं० 6 :— 31 मार्च 1951 तक की गो-सेवा संघ की आर्थिक स्थिति

.....

गो-सेवा संघ के संचालक मंडल की तारीख 25 मार्च 51 की सभा का नीचे लिखा प्रस्ताव नं० 5 पेश किया गया और मान्य किया गया :—

"गो सेवा संघ के संचालक मंडल की सभा का तारीख 8-7-50 का प्रस्ताव नं० 2, तथा सर्व साधारण सभा का तारीख 4-8-50 की सभा का प्रस्ताव नं० 2 इनके सिलसिले में सारी परिस्थिति का पुनः विचार करके अब संघ की यह सभा गो सेवा संघ की सर्व सेवा संघ में विलीन और मिलाने का अन्तिम निर्णय

www.vinoba.in

करती है । अतः अब इसके विसर्जन का भी निश्चय करती है । अब गो-सेवा संघ का काम निपटाने की दृष्टि से नीचे लिखे निश्चय किये जाते है :—

(क) गो सेवा संघ की स्थावर जंगम सब जायदाद सर्व सेवा संघ के नाम पर कर दी जाय । व उनको दे दी जाय । पर यह सारी जायदाद या इसका मूल्य या आमदनी सर्व सेवा संघ में गो सेवा संघ काम के लिए तथा गो सेवा के लिए आवश्यक इतने कृषि काम के लिए अंकित रहेगी और इस जायदाद में से रुपये एक लाख (100000) पौपरी में खेती, कुएं, और मकानात के लिए तथा रुपये 25000 (पचीस हजार ग्राम सेवा मंडल के कृषि गो-सेवा काम के विकास के लिए सुरक्षित रहेंगे । अगर पांच वर्षों तक इन रकमों का उपयोग कामों के लिए न कर सकें तो फिर उन्हें अलग सुरक्षित रखने की जरूरत नहीं है । दूसरी जायदाद के साथ गो-सेवा के काम के लिए अंकित मानी जायगी।

(ख) सर्व सेवा संघ ने यह गो-सेवा संघ का काम चलाने के लिए कृषि गो सेवा विभाग कायम किया है । इसलिए भविष्य में तारीख 1 अप्रेल 51 से यह काम सर्व सेवा संघ के मातहत चलेगा । और गो सेवा संघ की ओर से चलने वाली सब प्रवृत्तियां तारीख 31 मार्च के बाद बंद हो जायगी । अब गो-सेवा संघ का काम निपटाने के लिए जो कुछ कार्यवाही करना जरूरी हो वह संचालक मंडल कर लें ।

.....

(वर्धा— 23-11-51) पृ०नं० 99

प्रस्ताव नं० 8 :- वृंदावन में गोपालन के लिये 5 हजार स्वीकृत

श्री. राधाकृष्ण जी, मंत्री, कृषि गो - सेवा संघ विभाग का तारीख 17-11-51 का पत्र उपस्थित किया गया । जिसमें उन्होंने वृन्दावन (बिहार) में गोपालन के काम के लिए रु० 5000) देने की जरूरत है ऐसा लिखा है । इसलिए अपनी अतिरिक्त रकम कृषि गो-सेवा विभाग के इस साल के अंदाज-पत्रक में मंजूर करने की मांग की है ।

www.vinoba.in

(सर्व सेवा संघ रजि. नं० 2)

(बजाजवाड़ी - 23-7-52)　　　　(पृष्ठ नं० 23

प्रस्ताव नं० 15 :- पूरक बजट स्वीकृति.

(अ) श्री. राधाकृष्ण बजाज, मंत्री, कृषि गोसेवा विभाग ने उस उस विभाग का रु० 4500) का नीचे लिखा पूरक बजट पेश किया।

750) सर्व सेवा संघ कार्यालय　　　(1952-53 के बजट में माने हुए रु० 1500) के बदले रु० 2250) लगेंगे।

500) विद्यालय- प्रवास खर्च, विद्यार्थियों का व विशेषज्ञों का

500) शिबिर खर्च, गोपालकों का (ता० 2-10-52 से 12-10-52 पीपरी में)

1500) गोसेवा संमेलन का खर्च (संमेलन 13 व 14 अक्टूबर 52 पीपरी में)

1250) तेल घानी प्रचार खर्च।

4500)

ऊपर का पूरक बजट मंजूर किया गया।

टिप्पणी :-

1952 - 53 के मूल बजट में स्वराज्य भंडार को गलत साल की नुकसानी के लिए रु० 3500) मंजूर किये है लेकिन प्रत्यक्ष में नुकसानी 3000) आयी है।

(आ) स्वराज्य भंडार में हिस्सा रखना तथा उसके लिए रुपया 750) नुकसानी मंजूर करना संघ ने अस्वीकार किया।

.....

www.vinoba.in

(प्रबंध समिति रजि० नं० 2) (सेवाग्राम– 8-10-52)

पृ०नं० 40

प्रस्ताव नं० 7 :– गोवध बंदी के बारे में संघ फिलहाल बयान न दें।

...

गोवध बंदी संबंधी कृषि गो-सेवा विभाग का परिपत्रित बयान पेश किया गया। आम राय रही कि इस बारे में अभी कोई बयान प्रसिध्द (प्रकाशित) करने की जरूरत नहीं है।

......

(वर्धा — 4-2-54) पृ०नं० 76

प्रस्ताव नं० 1 :- दिल्ली का गोरस भंडार संघ न लें।

...

दिल्ली की गोसंवर्धन गोरस भंडार योजना संबंधी संघ के चुने हुए सदस्यों से तथा निमंत्रितों से मृगनवाडी में किदवई जी की हुई बातचीत का सार श्री राधाकृष्णजी ने बताया कि योजना की जिम्मेवारी संघ उठावें तो उस योजना के लिए कानून तथा पैसे की पूरी मदद देने का आश्वासन श्री किदवई जी ने दिया है।

तय हुआ कि योजना चलाने की जिम्मेवारी संघ न उठावें। तफसीलवाद योजना संघ सरकार की बना दें। योजना अमल में लाने की जिम्मेवारी सरकारी व बिन सरकारी लोगों की स्टेट्यूटरी गोसंवर्धन बोर्ड बनाकर उस पर सौंपी जाय। उसमें मनुष्य देने की यथा शक्ति संघ करें।

बैठक करीब दोपहर 12 बजे मुल्तवी होकर ढाई बजे फिर आरंभ हुई। सुबह के सभी सदस्य तथा निमंत्रित उपस्थित थे।

....

www.vinoba.in

(स॰ सेवा संघ रजि॰ नं॰ 3)

पृ०नं० 127-28

(बंगलोर— 29-10-60)

प्रस्ताव नं० 7 :- कृषि — गो-सेवा नीति अधिवेशन प्रस्ताव •

...

1- संख्या - वृद्धि का प्रश्न :-

जिस तेजी से पशु और मनुष्य दोनों की संख्या बढ रही है, जमीन उन्हें नहीं संभाल सकेगी। पशु-संख्या कम करनी होगी। 20 करोड पशुओं में करीब 5 करोड बकरियां हैं, जिन्हें कम कर सकते हैं। गाय-भैंस में से, उन स्थानों की भीड, जहां खेतों के लिए ~~भैंसे/ भैंसे भैंसे~~ भैंसे, (पाडे) पाले जाते हैं, गाय को ही, जहां वह इकानामिक है, ~~बुसमा~~ बढाया जाय। निकम्मी गाय और सांड घटाने होंगे, जिन्हें बधिया करके उनको गाभिन न होने देकर घटाया जा सकता है। लोक-शिक्षण द्वारा गाय के दूध का महत्व समझाया जाय। गाय-भैंस के दूध का मूल्य समान होना चाहिए। दूध की कीमत सिर्फ घी पर नहीं, प्रोटीन पर है। आरोग्य की दृष्टि से गाय का एवं कम चिकनाई का दूध अच्छा है। 4 प्रतिशत चिकनाई और 8 प्रतिशत प्रोटीन आदि वाला दूध स्टैंडर्ड माना जाय।

दूध का भाव तय करते समय उत्पादक, उपभोक्ता और पशु तीनों का हित रखा जाय। उत्पादक और उपभोक्ता के बीच किमतों में कम-से-कम ~~अंतन~~ अंतर रहे।

2- यंत्रों की मर्यादा :-

मनुष्य और पशु-शक्ति के बाद भी यंत्रों का उपयोग हो और वे सामूहिक गांव की मालिकी के हों। कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग किसानों और किसान लडाकों की हो। नौकरी के लिए नहीं, व्यवसाय या उपयोग स्वयं चलाने के दृष्टी से हो। वैज्ञानिक ट्रेनिंग भी होनी चाहिए। ग्राम संकल्प और ग्राम के आधार पर गो-वंश का विकास होना चाहिए।

.....

www.vinoba.in

—— कृषि - गो-सेवा ——

प्रस्ताव •

(प्रबंध समिति रजि. नं० 1) (शिवरामपल्ली--10-4-51)

पृ०नं० 9

प्रस्ताव नं० 1 :- कृ०गो०से०समिति का 31 मार्च 51 का हिसाब स्वीकृत

•••

जैसा कि पहले ही तय हुआ था, गो सेवा संघ ने सर्व सेवा संघ के कृषि गो सेवा विभाग के नाते 1 अेप्रील 51 से बाकायदा काम शुरु कर दिया है। गो सेवा संघ का 31 मार्च 1951 तक का ऑडिट किया हुआ नीचे लिखा हिसाब श्री राधाकृष्णनजी, मंत्री, कृषि गो सेवा विभाग ने पेश किया, उसकी नोंद ली गयी :—

गो सेवा संघ का 31 मार्च 1951 तक का हिसाब

648738=15=2	श्री साधारण फंड	234550-8-0 जिस्टेट		
94224-	श्री गो सेवा चर्मालय निधि खाते सर्वानी नस्ल		90472-1-2	पीपरी जिस्टेट
			36332-1-1	गुडमुंड जिस्टेट
2500 0	सुधार पुरस्कार		14084-0-0	चौंचाली खेती
97,	श्री गोशाला फेडरेशन खाते •		8210-12-0	चांदमारी खेती
1064-14-2	श्री तरतूद निधि खाते		38558-12-2	शांति कुटीर अिमारत
962-5-2	श्री संघ तरतूद निधि खाते	~~155674-8-2 विभाग~~ •	43077- 9-1	चर्मालय अिमारत
30770-1-2	श्री गोसदन इंडाला खाते जमा •		3006-14-3	स्थायी सामान
			897-0-1	पुस्तकालय
40000-	श्री नस्ल सुधार योजना राजस्थान		234550-8-1	
		155674-8-2		
12636-13-1	श्री राजस्थान शाखा खाते जमा		88439-13-1	पीपरी गोशाला
893=8=0	श्री अमानत खाते		29493-00-1	चर्मालय विभाग
106-6-2	श्री सरकी टेप खाते जमा		14475-13-2	गोरस भंडार
854484-5-2			1272 -2	पुस्तक खरादो
			532-15-0	लाला हरदेव सहाय प्रकाशन
			8334-03-0	कार्यालय खाते
			7626-11-3	तेलघानी समिति
			5500-0-0	स्वराज्य भंडार वर्धा
			15567-8-2	

www.vinoba.in

129-2-0 मे. जमनालाल स. वर्धा.
14770-2-0 दि. बैंक ऑफ नागपुर -वर्धा.
1265-15-0 बैंक ऑफ, नागपुर, यवतमाल
66770, 2-0 बैंक ऑफ जयपुर, जयपुर.
5453-7-0 लाईफ इन्शुरेन्स.
9200-6-0 ग्राम सेवा मंडल गोपुरी.
96-14-0 उत्तर प्रदेश शाखा.

100, 437069

26930-5-1 लेनदेन —

14045-6-2 साबरमती गोशाला.
150, तालीमी संघ सेवाग्राम.
599, 6-2 बिहार डा. खाते.
23-2-0 पुस्तक विक्री अनामत.
4952-11-1 अनामत लेना.
19-7-0 चोखेलाल जी शर्मा.
340-4-0 महादेव नथमल.
175- बलवंतराव देशपांडे
6625- गोधन खाते.

26930-5-1

85422, 7-2

259-15-1 रोकड शिल्लक—

854484-5-2

= =

www.vinoba.in

(बजाजवाडी- 21-9-51)   पृ०नं० 16

प्रस्ताव नं० 3 :-

श्री॰ बलवंतराव देशपांडे को कृषि - गो-सेवा विभाग का उपमंत्री बनाया गया ।

....

(बजाजवाडी- 10-10-51)   पृ०नं० 17

प्रस्ताव नं० 3 :- बिहार गो-सेवा संघ को पेशगी देने के बारे में

...

श्री॰ रामदेव ठाकुर, मंत्री- गो-सेवा संघ (बिहार) ने अपने ता० 7-9-51 के पत्र में वृंदावन (चंपारन) के गो-सेवा के काम के लिये पांच हजार रुपयों की, पेशगी के रूप में कृषि गो सेवा विभाग से मांग की थी। उस पर विचार किया गया । श्री॰ राधाकृष्णजी ने वहां की सारी परिस्थिति बताओ । कानून की वजह से वहां का ट्रस्ट अलग है लेकिन वास्तव में वह हमारे मार्गदर्शन में काम करता है और ट्रस्ट मंत्री हमारे में से ट्रस्टी चुने गये है।

तय हुआ कि भले ही वह ट्रस्ट हमारे मार्गदर्शन में काम करता हो फिरभी कानून वह स्वतंत्र ट्रस्ट ही है । अिसी हालत में पेशगी के रूप में भी पैसे दिये जाय या नहीं अिसमें सर्व सेवा संघ की नीति का सवाल पैदा होता है । अिसलिये अिस बारे में संघ की नीति का निर्णय संघ की अगली बैठक में कर लिया जाय ।

....

www.vinoba.in

(वर्धा - 23-11-51) पृ०नं० 19

प्रस्ताव नं० 2 :- वृंदावन बिहार में गो-सेवा के लिये 5000/-

...

श्री० राधाकृष्णजी, मंत्री कृषि गो सेवा विभाग का ता० 17-11-51 का पत्र उपस्थित किया गया । जिसमें उन्होंने वृंदावन (बिहार) में गोपालन के काम के लिये रु० 5000, देने की जरूरत है इसलिये उतनी अतिरिक्त रकम कृषि गो-सेवा विभाग के इस साल के अंदाज पत्रक में मंजूर करने की मांग की थी ।

उनकी मांग मंजूर की गयी ।

.....

(वर्धा- 23-1-52) पृ०नं० 23

प्रस्ताव नं० 11 :- गुंड मुंड पिपरी जमीन में से कुछ जमीन बेची जाय ।

..

संघ के कृषि गो-सेवा विभाग की जो जमीन गुंड मुंड और पिपरी में है उसमें से बिन जरूरी जमीन बेचने आदि की इजाजत श्री० राधाकृष्णजीने मांगी । मांग के अनुसार इजाजत दी गयी ।

.....

www.vinoba.in

(वर्धा - 27-4-52) पृ०नं० 36

प्रस्ताव नं० 7 :- बजट स्वीकृत •

रु 100000 जमा का और रु० 70451 चालू खर्च अधिक रुपये 31500 के स्थायी खर्च ऐसे कुल रु० 101951 का बजट पेश किया गया । और मंजूर किया गया ।

75000 गांधी स्मारक निधि से सहायता •

25000 गो सेवा संघ के अंकित निधिसे •

चालू खर्च 70451,

खेती गो शाला पिपरी विद्यालय व प्रयोग

2295, 18000

औषधालय देशी कार्यालय प्रादेशिक मंत्री •

2000, 100000, 21000,

नसल सुधार गो सेवा चर्मालय तेल समिति

10000, 2156 3500

सर्व सेवा संघ दफ्तर , गोरस भंडार

1500

घी योजना गुंडमुंड

स्थायी खर्च 31500

पीपरी मकान पिपरी कुंआ पीपरी फेंसींग औजिन सामान

15000, 2000, 2000, 1000

पीपरी गॅस प्लॅन्ट गुंडमुंड मकान , शांति कुटीर

बिजली फिटिंग आदि हड्डी चूरा करने के लिये

4000

डिसइंफेक्टी गेटर

1000,

100000, कुल जोड .. 101951,

www.vinoba.in

....

(वर्धा- 27-4-52) (पृ०नं० 36)

प्रस्ताव नं० 8 :- ब्लजेकरजी की अपवाद स्वरूप 300 रु० वेतन।

...

श्री० राधाकृष्णजी मंत्री कृषि गो-सेवा विभाग ने श्री० ब्लजेकर नाम के नये कार्यकर्ता को रु० 300 मासिक वेतन पर नियुक्त करने के लिये अिजाजत मांगी।

श्री० ब्लजेकर गो-सेवा के तज्ञ है और विद्यालय के प्रिंसिपल होने की योग्यता रखते है। आज सरकारी नौकरी में है। हमारी कार्य पध्दति में वे ठीक तरह से बैठ सकेंगे और रु० 300, से कम में उनका चलनेवाला नहीं है अिस तरह की जानकारी श्री० राधाकृष्णजी ने दी।

तय हुआ कि सर्व सेवा संघ की वेतन मर्यादा रु० 200 होते हुअे भी अपवाद के तौर पर राधाकृष्णजी की मांग की अिजाजत दी जाती है।

.....

(वर्धा- 23-4-53) पृ०नं० 68

प्रस्ताव नं० 31:- बजट स्वीकृत

कृषि गो सेवा विभाग के 1953-54 के बजट के बारे में विचार करके तय किया गया कि संघ के कार्यानुसार विभाग बंद करने का संघ ने तय किया है। यह देखते हुअे कृषि गो सेवा विभाग का क्या क्या काम चालू रहेगा यह निश्चित हुअे बिना कोअी बजट मंजूर करना संभव नहीं है। अिसलिये अभी तीन माह तकके लिए भिन्न भिन्न प्रवृत्तियों को चालू रखने के लिये कार्यकर्ताओं के वेतन आदि किमान बातों का खर्च मंजूर किया जाय। अिस विभाग के आगे के स्वरूप को ढांचा तथा उसके बजट का निर्णय पुर्नरचना समिति करें।

/7/

टीप :-

(1) तीन माह तकके वेतन आदि के अलावा अैसी कोअी चीज हो जिनको अिन तीन महीने में ही कर लेना जरूरी हो उसके लिये भी मंजूरी मानी जाय ।

(2) बिजली से चलनेवाले बोन क्रशर का समावेश बजट में है । अिसपर चर्चा हुअी । और आखीर में तय हुआ कि हमारे साधन अैसे हो जिनका देहातों में भी अनुकरण किया जा सके । और बिजली से चलनेवाला बोन क्रेशर वैसा साधन नही है । अिसलिये उसका उपयोग हम न करें । बोन डायजेस्टर काही उपयोग और प्रचार करें । जोकि किसी भी देहात में चलाया जा सकता है ।

....

(खादीग्राम— 29-53) पृ०नं० 80

प्रस्ताव नं० 16 :- जयपूर गोरस भंडार डूबन ~~+6/~~ 1760 रु० स्वीकृत

%%%%%%

तय हुआ कि जयपुर गोरस भंडार के व्यवहार में जो रु० 1766-13-9 (सत्रह सौ छियासठ रुपये तेरा आने नौ पाई) मात्र ग्रामोद्योग भंडार, जयपुर की ओर लेना रहा, वह वसूल होना अब संभव नही है । अिसलिये डूबत में लिखा जाय ।

....

www.vinoba.in

(खादी ग्राम- 2-9-53) पृ० नं० 80

प्रस्ताव नं० 17 :- गो॰ सेवा संघ हिसाब में से 9358 रु० की अंकित रकम अलग न रहे।

...

1952-53 के संघ के ऑडिटेड हिसाब में गोरस भंडार, वर्धा के नाम से अंकित रकम रु० 9,538-9-3 दिखलाई गयी है, यह रकम पिछले पांच-छः सालों का नफा-नुकसान मिलकर बनी है, और उसका उपयोग गोरस भंडार को स्वावलंबी संस्था का रूप देने में करने का इरादा है, ऐसा श्री॰ राधा, कृष्णजी ने बताया।

चूंकि गोरस भंडार यह कृषि गो सेवा विभाग की ही प्रवृत्ति है और संघ के भिन्न भिन्न विभागों का नफा नुकसान संघ के हिसाब में ही आ जाना चाहिये, इसलिये इस तरह अंकित रकम दिखलाना हिसाब की दृष्टि से उचित नही है, ऐसी कई सदस्यों की राय रही।

परंतु विशेष उद्देश से यह रकम अंकित रखी गयी है, यह ध्यान में लेते हुए तय हुआ कि जिस साल के हिसाब में वह रकम अंकित रखने की इजात दी जाती है। 30-4-54 तक उसका अपेक्षित विनियोग कर लेना चाहिये। अन्यथा वह रकम संघ के हिसाब में मिला दी जाय।

....

(सेवाग्राम - 21-9-53) (पृ०नं० 85)

प्रस्ताव नं० 11 :- गोरस भंडार चलाये जाय :-

सर्व सेवा संघ ने अन्न-वस्त्र केन्द्रित उद्योग बहिष्कार का व्रत लेने के लिये आम जनता को अपील की है उसको अमल में लाने में आम जनता को सहूलियत हो, इसलिये जगह जगह गो- सेवा संघ ने ग्रामोद्योग वस्तु भंडार खुलना जरूरी है।

यद्यपि यह संघ की आम नीति है कि संचालित केन्द्र के बजाय जन-केन्द्र खडे करने की कोशिश की जाय। तथापि अन्न-वस्त्र केन्द्रित

www.vinoba.in

बहिष्कार का यह अभी आरंभ ही है । यह देखते हुअे तय हुआ कि संघ की ओरसे भी ग्रामोद्योग वस्तु भंडार चलाये जाय ।

जहां संभव हो वहां गोरस भंडार भी खोले जाय ।

.....

(सेवाग्राम – 21-9-53) (पृ० नं० 115)

प्रस्ताव नं० 29 :- दिल्ली ~~गो-नस्स~~ गोनसल सुधार में 1500 रु० सहायता

...

श्री० राधाकृष्णजी का ता० 24-9-53 का नीचे लिखा खते पेश किया गया ।

श्री० राधाकृष्णजी बजाज की दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के अन्नमंत्री श्री० किदवाजी के साथ दिल्ली गोरस भंडार गो-नस्ल सुधार योजना बाबत जो बातचीत हुअी थी अुसकी जानकारी प्रबंध समिति को खादी ग्राम में दी गयी थी । दिल्ली शहर को रोजाना 500 से 1000 मण गो धूद पुरवठा करने की व्यवस्था कैसी की जा सकती है व अुसके साथ दिल्ली के आसपास के देहातों में गो-नस्ल सुधार कैसे किया जा सकता है अिसका सर्वे करने का सोचा गया है । यह काम दो तीन मास चलेगा व अुसमें 4-5 आदमी काम करेंगे । अुनके वेतन, ऑफिस खर्च, सफर खर्च आदि के लिये 1000 से 1500 रुपया खर्चा होगा । अतः रु० 1500) की अिस काम के लिये मंजूरी की जाय ।

तय हुआ कि अुपर की रु० 1500) की मांग की स्वीकृति दी जाय ।

.....

www.vinoba.in

(सेवाग्राम — 21-9-53) (पृष्ठ नं0 127)

प्रस्ताव नं0 45 :- बजट स्वीकृत ।

प्रबंध समिति के ता॰ 29-4-53 के प्रस्ताव नं0 31 के अनुसार कृषि गो सेवा विभाग का भी बजट तीन माह का मंजूर किया था । बाद में चूंकि पुनः रचना समिति का निर्णय नहीं हुआ था इसलियें श्री॰ अ॰ वा॰ सहस्त्रबुध्दे जी ने अपने अधिकार में और दो माह का बजट मंजूर किया था ।

पुनः रचना समिति के निर्णयानुसार अब पीपरी के शिक्षण प्रवृत्ति का बजट सेवाग्राम के विद्यालय में सम्मिलित किया गया है, अन्य प्रवृत्तियों का बजट आज पीपरी केंद्र के बजट के रूप में नीचे लिखे अनुसार पेश किया गया ।

कुल खर्च निम्न लिखित अनुसार रहेगा

....

(1) वेतन	18,562/-
(2) किराया	1,600/-
(3) डाक स्टेशनरी	1100/-
(4) फुटकर, अतिथि, औषधि, वाहतुक	2,090/-
(5) कुल अन्य खर्च	1,251-8-0
कुल खर्च	24,603-8-0
आय—	20,700-0-0
कच्चा घटा —	7,452-0-0

कच्चा मुनाफा यवतमाल तथा नालवाडी केंद्र का मिलाकर 3548-8-0 निकालने के बाद प्रत्यक्ष घाटा 3903-8-0 रहेगा ।

www.vinoba.in

/११/

आज पीपरी केंद्र के तरफ से गो-सेवा चर्मालय नालवाडी में चलाया जाता है । उसी चर्मालय की यतवमाल तथा नागपूर में आजतक शाखा रही है। नागपूर की शाखा नागपूर विभाग को सुपूर्द कर दी गयी है । अन्य प्रवृत्तियां पीपरी केंद्र के मातहत ही रहेगी ।

पीपरी केन्द्र और उसके मातहत चलनेवाले केन्द्रों में मिलाकर नीचे लिखे अनुसार मौजूदा पुंजी है ।

(१) कच्चा चमडा तथा तयार माल	34,350/-
(2) सामान औजार	60,270/-
(3) किताब तथा लायब्ररी	6,340/-
(4) पशुधन	35,780/-
(5) मकान किस्मा	6,770/-
(6) अनाज, तथा दाने का स्टॉक	30,000/-
(7) पॉकिंग मटेरियल	2,000/-
	1,75,510=/

व्यवहार में कुछ घाटा 3903-8-0 का रहेगा और वह नालवाडी गो - सेवा चर्मालय तथा पिपरी केंद्रे जिन दो प्रवृत्तियों में मिलाकर होगा । अन्य सारी प्रवृत्तियां न नुकसान में रहेगी न मुनाफा में करेगी । जिस 3903-8-0 घाटे के अलावा खेती औजारों का प्रदर्शन तथा उन में दिलचस्पी रखनेवालों का संमेलन करने के दृष्टि से योजना पेश की गयी जिसके लिये 7500) खर्च की मांग की गयी । नसल सुधार के लिये 5000) खर्च जिस साल होगा और पांजर पोल का खर्च 1000) का रहेगा । यह सारी रकमे निकालकर पीपरी केंद्र का कुल घाटा 17,403-8-0 का होगा ।

www.vinoba.in

नओ पूंजी की मांग

...

सामान	4000)
खेती सुधार	1000)
गैस प्लांट	1000)
कुल रु0	6000)

ऊपर बजट मंजूर किया गया ।

....

www.vinoba.in

ंध समिति रजि नं0 2)

(दिल्ली— 1-12-53) पृ0नं0 3

प्रस्ताव नं0 8 :- कृषि गो-सेवा ~~के लिए~~ विभाग बंद।
राधाकृष्ण बजाज मंत्रीपद से
मुक्त।

बंगाली हरिजन पत्रिका के लिए रु0 4869) मदद की मांग करनेवाला श्री सुधीरचंद लाहा का तारीख 10-11-53 का पत्र पेश किया गया। गांधी निधि की मदद के उपरांत भी उसमें नुकसान होता है तो उसके बारें में अधिक जानकारी प्राप्त की जाय और श्री धीरेन्द्रभाई तथा बंगाल भूदान समिति के संयोजक श्री चारुचंद्र भंडारा से उस पत्रिका की भूदान कार्य के लिए उपयोगिता के बारे में राय लेकर फिर से सोचने के लिए रखा जाय।

....

(दिल्ली—1-12-53) पृष्ठ नं0 3

प्रस्ताव नं0 9 :- केन्द्रीय दफ्तर द्वारा कृषि गो-सेवा विभाग का संचालन

सर्व सेवा संघ की तारीख 27-4-53 की बैठक के प्रस्ताव नं0 16 के अनुसार कृषि गो-सेवा विभाग का काम तारीख 1 जनवरी 1954 से बंद किया जाय और उक्त विभाग के मंत्री श्री राधाकृष्णजी बजाज को मंत्री पद से मुक्त किया जाय।

1 जनवरी 1954 से कृषि गो सेवा के काम का संचालन संघ के केन्द्रीय दफ्तर के द्वारा किया जाय।

....

www.vinoba.in

(मगनवाडी– 6-2-54) पृष्ठ नं0 11

प्रस्ताव नं0 15 :- गायके घी पर कार्यकर्ता को डेढ रु0 सेरकी छूट

...

तार का हिसाब देते समय तार की रसीद तथा मजबून दोनो होना जरूरी है। इस आशय के पुराने प्रस्ताव पर फिर से चर्चा होकर तय हुआ कि ऑडिट की दृष्टि से रसीद और मजबून दोनो होना जरूरी है। इसलिए कोशिश यही की जाय कि वे दोनो हो। फिर भी किसी कारण वह संभव न हो तब केवल रसीद हो तो उसके साथ किस आशय का मजबून या किस बारे में तार किया था यह लिखा जाय और केवल मजबून हो तो उसपर दफ्तर की स्वीकृति लिखवाकर हिसाब में दिया जाय।

.....

(बोधगया– 22-4-54) (पृष्ठ नं0 13

प्रस्ताव नं0 3:- रामेश्वर पोद्दार के दान का उपयोग।

%%%%

श्री० रामेश्वर जी पोद्दार धूलिया द्वारा स्वर्गीय जमनालाल जी के स्मारक के बतौर गो-सेवा के लिए दी गई इयरमार्क रकम रु0 3530-7-0 आज उनके पास है। उक्त रकम की जमीन उनसे लेकर सर्व सेवा संघ उन्हें जिम्मेवारी से मुक्त करे इस आशय के तारीख 19-3-54 के उनके पत्र का सारांश श्री० कृष्णदास जी जाजू ने बताया। विचार विनिमय के बाद तय हुआ कि श्री० राधाकृष्ण जी बजाज इस संबंधी उचित कार्यवाही करें और उस जमीन या रकम का विनियोग धूलिया की गोशाला या अन्य गो-सेवा के काम में करें।

.....

www.vinoba.in

(मुज्जफ्फरपुर— 28-7-54) (पृष्ठ नं0 18

प्रस्ताव :- चर्चा :- शांतिकुटी गोपुरीपर जमनालालजी का स्मारक बनाया जाय

...

पिछली बैठक में जो प्रस्ताव हुए थे उनके अमल के बारे में मंत्री न जो टिप्पणी पेश की उस पर चर्चा आरंभ हुई । चर्चा का सारांश निम्न प्रकार है :-

(क) काकावाडी तथा शांति कुटीर की बीच की जमीन के बाबत श्री० धोत्रेजी ने सुझाया कि श्री० जमनालालजी का उस जगह स्मारक करने बाबत जो बातचीत कुछ वर्ष पूर्व चल रही थी उस बाबत आगे कार्यवाही की जाय । तय हुआ कि श्री० राधाकृष्णजी इस बारे में सोचकर सुझाव पेश करें ।

(ख) सर्व सेवा संघ का दफ्तर गया में ले जाने के बारे में जो प्रबंध समिति की तारीख 22-4-54 की बोधगया की बैठक में प्रस्ताव नं0 10 हुआ उस बाबत राय रही कि दफ्तर का स्थान बदलने का अधिकार सर्व सेवा संघ को है, प्रबंध समिति को नहीं । इसलिए सर्व सेवा संघ की अगली बैठक में यह प्रस्ताव पेश किया जाय, तब तक संघ का वर्धा का दफ्तर केन्द्रित दफ्तर माना जाय और गया का दफ्तर कैंप दफ्तर माना जाय ।

....

(पृष्ठ नं0 36)

(मुजफ्फरपुर- 28-7-54)

प्रस्ताव नं0 19 :- जेसलमेर में स्थानीय संस्था घी केन्द्र चलावे तो 7 हजार की पूंजी दे सकते हैं ।

....

राजस्थान के जेसलमेर प्रदेश में गायों का घी काफी मात्रा में होता है लेकिन वहां ग्राहक न होने की वजह से वह बिकता नहीं है । परिणाम स्वरूप गायों के पालन की ओर लोगों का झुकाव कम होता जा रहा है और गायों की दुर्दशा होती है । वहां पैदा होनेवाला घी खरीद कर अन्य

www.vinoba.in

अन्य स्थानों में भेजने से गायों की गिरती हुई स्थिति सुधरेगी और गोरस-प्रवृत्तियों के लिए गाय का घी मिलने में सुविधा होगी इस दृष्टि से वहां एक छोटा सा घी केन्द्र खोलने का सुझाव तथा उसका बजट श्री० राधाकृष्णजी ने पेश किया ।

तय हुआ कि संघ की नीति अब संचालित केन्द्र चलाने की नहीं है, इसलिए वहां की किसी संस्था के द्वारा यह काम करवाया जाय। उस संस्था की ओर से पूंजी के लिए मांग आवे तो रुपये सात हजार तक की पूंजी कर्ज के रूप में देने का अधिकार मंत्री को दिया जाय ।

.....

(सेवाग्राम- 28-11-54) पृ०नं० 47

प्रस्ताव नं० 11 :- वर्धा गोरस भंडार को को-आपरेटिव्ह न किया जाय ।

गोरस भंडार को सहकारी बनाने के संबंध में योजना पेश करने के लिए प्रबंध समिति की तारीख 6-9-53 की बैठक में श्री० राधाकृष्ण बजाज को कहा गया था उसके अनुसार उन्होंने अपनी रिपोर्ट पेश की । उन्होंने बताया कि गोरस भंडार के द्वारा केवल गाय के ही दूध का प्रचार करना स्थानीय नसल को सुधार करना, उसे सर्वांगी बनाना, गोलाई नसल का प्रयोग करना आदि बातों का नियंत्रण को आपरेटिव करने के बाद संघ के हाथ में नहीं रह सकता । उनकी इस राय के बारे में विचार भेद रहा, फिर भी सबकी सहमति से गोरस भंडार को सहकारी बनाने का विचार छोड़ दिया गया ।

www.vinoba.in

.....

(सेवाग्राम- 28-11-79) (पृष्ठ नं0 48)

प्रस्ताव नं0 13 :- राजस्थान गोसेवा संघ :-

राजस्थान गोसेवा संघ अब स्वतंत्र रजिस्टर्ड संस्था हो गई है। इसलिए अब सर्व सेवा संघ को राजस्थान में अपनी ओरसे कोई शाखा रखने की जरूरत नहीं है, उसे स्वतंत्र कर दिया जाय व राजस्थान गोसेवा संघ को रु0 5000) सामान आदि के लिए व रु0 3600) गत वर्ष खर्च के पेटे मदद रूप में दिए जावें।

चर्चा :- सर्वोदय - योजना संशोधन समिति

सर्वोदय योजना संशोधन समिति के बारे में चर्चा हुई। सबकी यह राय रही कि ''सर्वोदय प्लान'' का संशोधन करके जल्दी से जल्दी सर्वोदय समाज के रचना का पूरा चित्र तथा उसकी योजना बनाकर प्रकाशित की जाय।

.....

(सेवाग्राम- 28-11-54) (पृष्ठ नं0 55)

प्रस्ताव नं0 34 :- नस्ल सुधार के लिये चार संस्थाओं की सहायता 8500रु0

.....

जिन संस्थाओं के पास गोसंवर्धन के लिए आवश्यक जमीन, मकानात आदि की व्यवस्था है, जो स्थानीय ~~नस्ल~~ नस्ल को सर्वांगी बनाने की दृष्टि से संघ की नीति के अनुसार गोसंवर्धन करना चाहती है और जिनके कार्य चला सकने की शक्ति के संबंध में संघ को विश्वास हो जाय ऐसी संस्थाओं को गाये, तथा सांड खरीदने के लिए और कार्यकर्ता खर्च के लिए मदद दी जाय। यह नीति श्री राधाकृष्णजी ने सुझायी और उसके अनुसार निम्न चार संस्थाओं को रु0 8500) रकम देना तय हुआ।

www.vinoba.in

(1) राष्ट्रीय शाला, अकोला (मध्यप्रदेश)
(2) महारोगी सेवा समिति (")
(3) राष्ट्रीय शाला खामगांव (")
(4) राजस्थान खादी संघ खादी विद्यालय, शिवदासपुरा, जयपुर

गायों तथा सांडो के लिए रु0	4900)
एक कार्यकर्ता का मासिक रु0 100) के हिसाब से 3 साल का खर्च	3600)
कुल ..	8500)

संस्थाओं को मदों में हेरफेर करने का अधिकार रहेगा। पर इमारतो में खर्च नही कर सकेंगे।

.....

(बाकुंडा— 8-1-55) (पृष्ठ नं0 63)

प्रस्ताव नं0 9 :- राजस्थान सरकारसे प्राप्त गोसेवा दान में से शेष रकम 41987 रु0 राजस्थान गो सेवा संघ को

.....

राजस्थान सरकार की ओर से गोसदन, इन्द्रपुरी, सवाईमाधोपुर के काम के लिए रु0 63040) और गो नसल सुधार के लिए रु0 40000) (रुपये चालीस हजार) राजस्थान गोसेवा संघ को मिले थे। यह रकम 1952 में मिली थी। राजस्थान गो सेवा संघ उस समय स्वतंत्र रजिस्टर्ड संस्था नही थी। इस कारण रकम यहां गो सेवा संघ में जमा रही। विलीनीकरण के साथ वह रकम सर्व सेवा संघ में आयी है। इस रकम में से रु0 42264-5-3 गो सदन के काम में खर्च हो चुके है और रु0 18787-12-0 गो नसल सुधार में खर्च हो गये है बाकी रकम रु0 41987-14-9 बचते है।

www.vinoba.in

अब राजस्थान गो सेवा संघ स्वतंत्र रजिस्टर्ड हो गया है इसलिए यह रकम उनके पास जमा देने का प्रश्न उठता है । आज तक सारा खर्च उन्हीं के मार्फत हुआ है और आज भी वे ही खर्च कर रहे हैं इसलिए तय हुआ कि अंकित निधि में से उपर्युक्त रु0 41987-14-9 राजस्थान गो सेवा संघ को दिए जायें ।

.....

(बांकुडा — 8-1-55) (पृष्ठ नं0 66)

प्रस्ताव नं0 :- 16 :- जैसलमेर घी योजना को 7000 की सहायता ।

.....

प्रयोग स्वरूप तथा व्रतधारियों आदि की सुविधा के लिए इस दृष्टि से राजस्थान जैसलमेर में घी उत्पादन केन्द्र के लिए रुपये सात हजार ब-तौर पूंजी के कर्ज देना सर्व सेवा संघ प्रबंध समिति की मुजफ्फरपुर के बैठक के प्रस्ताव नं0 19 में स्वीकार हुआ था ।

लेकिन अनुभव से देखा गया कि इतने छोटे पैमाने पर काम चलाना कठिन है । कर्ज भी नहीं ~~मिल~~ मिलेगा । इस कारण वह काम प्रारंभ नहीं हो सका यदि यह रकम मदद रूप में मिल जाती है तो उसके आधार पर कुछ कर्ज लिया जा सकता है और काम आगे बढ़ सकता है । अतः इस कर्ज को गो सेवा अंकित निधि से मदद रूप दी जाय ऐसा श्री० राधाकृष्ण बजाज ने सुझाया है ।

तय हुआ कि राजस्थान गो सेवा संघ को जैसलमेर घी उत्पादन के लिए गो सेवा अंकित निधि से सात हजार रुपये सहायता दी जाय ।

.....

www.vinoba.in

(सर्वोदयपुरी - 21-3-55) (पृष्ठ नं0 79)

प्रस्ताव नं0 13:- गो-सेवा अंकित में से ग्राम सेवा मंडल गोशाला को 5 हजार सहायता।

...

श्री० राधाकृष्ण बजाज ने बतलाया कि गो-सेवा संघ का जब अखिल सर्व सेवा संघ में विलीनीकरण हुआ तब ग्राम सेवा मंडल, नालवाडी (वर्धा) के कृषि गो-सेवा काम के विकास के लिए रु० 25000) तक ग्राम सेवा मंडल की आवश्यकता-नुसार देने की दृष्टि से अंकित निधि के रूप में यह रकम अलग निकाली गई थी। यह रकम भी पांच साल में उनकी मांग के अनुसार दे दी जाय ऐसी शर्त विलीनीकरण के प्रस्ताव में ही रखी गई थी। उसके अनुसार श्री० राधाकृष्ण बजाज ने ग्राम सेवा मंडल, नालवाडी (वर्धा) की तरफ से रु० 5000) की मांग पेश की। उस पर विचार होकर तय हुआ कि :—

रु० 5000) की रकम ग्राम सेवा मंडल की कृषि गो-सेवा विकास के लिए उपरोक्त अंकित निधि से दी जाय।

....

(सर्वोदयपुरी - 21-3-55) (पृष्ठ नं0 81)

प्रस्ताव नं0 20 :- आंध्र सर्वोदय संघ तिरुर को गो-सेवा के लिए रु० 5000 की सहायता

...

आंध्र सर्वोदय संघम्, तिरुर की तरफ से गो-सेवा काम के लिए रु० 5000) की मदद मिले ऐसी मांग आयी है।

तय हुआ कि इस संस्था का काम श्री० अण्णा साहब देखें और उन्हें संतोष हो जाय तो मदद दी जाय।

.....

www.vinoba.in

(मगनवाडी- 28-6-55) (पृष्ठ नं0 94)

प्रस्ताव नं0 15 :- गोनस्ल सुधार के लिये सेवापुरी की 3 साल तक वार्षिक 1500 सहायता

...

ग्राम सेवा विद्यालय सेवापुरी की ओर से आयी हुई गंगातीरी नस्ल सुधार की योजना पर विचार हुआ। तय हुआ कि सेवापुरी के श्री॰ गांधी आश्रम ग्राम सेवा विद्यालय को तीन साल तक वार्षिक रु0 1500) की मदद गो-सेवा अंकित निधि से निम्न प्रकार खर्च के लिए की जाय :-

कार्यकर्ता वेतन	..	1000)
साँड़ का चारा	..	500)
		1500)

....

(बेझवाडा, -12-12-55) (पृष्ठ नं0 124)

प्रस्ताव नं0 31 :- राजस्थान गो सेवा संघ को 21000 सहायता.

%%%%%

राजस्थान गो-सेवा संघ की ओरसे आयी हुई ''कृषि गोपालन केन्द्र'' की योजना पेश हुअयी। राजस्थान में एक नमूने का कृषि एवं गोसंवर्धन केन्द्र तथा तत्संबंधी शिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए 5 साल की यह योजना राजस्थान गो-सेवा संघ ने भेजी है और उसमें संघ की मदद चाही है। कुल योजना रु0 137500) की है। प्रबंध समिति की यह राय रही कि इस प्रकार की योजना गांधी निधि या स्थानीय सरकार के पास भेजनी चाहिए। परंतु राजस्थान में जो गो-सेवा कार्य की संभावना है उसको देखते हुए प्रारंभिक मदद के तौर पर, जमीन कुओं आदि के लिए सहायता संघ से की जाय तथा संघ की योजना के अनुसार गो-सेवा

केन्द्रों को गायें खरीद तथा कार्यकर्ता वेतन के लिए दी जानेवाली सहायता दी जाय ।

अतः यह तय हुआ कि राजस्थान गो सेवा संघ को उसके ''कृषि गोपालन केन्द्र'' के निमित्त नीचे लिखी सहायता दी जाय ।

(1) जमीन खरीद तथा कुआं निर्माण आदि के लिए 16000)
(2) 20 गायों की खरीद के लिए प्रति गाय रु0 250) से 5000)
21000)

(3) एक कार्यकर्ता का वेतन मासिक रु0 125) तक तीन वर्ष के लिए ।

....

(बेजवाडा– 12-12-55) पृ0नं0 125

प्रस्ताव नं0 33 :- सर्वोदय केन्द्र सीमेल को गोसेवा सहायता ।

...

श्री० राधाकृष्ण बजाज ने बतलाया कि गत वर्ष सर्वोदय केन्द्र सीमेल को गायों की खरीद के लिए योजनानुसार एक हजार रुपये सहायता की रकम भेजी गई थी । पर उस समय वहां गोपालन का कार्य हाथ में न लिया जा सकने के कारण वह रकम वापास आ गई । अब केन्द्र की ओर से इस रकम की मांग आयी है । तय हुआ कि सर्वोदय केन्द्र सीमेल को गायों की खरीद के लिए एक हजार रुपया (1000) मात्र सहायता स्वरूप दिया जाय ।

.....

www.vinoba.in

(बेझवाडा– 12-12-55) पृ०नं० 125

प्रस्ताव नं० 34:- शिवदासपुरामें परशुराम की गो-सेवा सहायता रु० 700

शिवदासपुरा खादी विद्यालय(राजस्थान) में एक भाई श्री परशुराम कृषि खेती से स्वावलंबन का प्रयोग कर रहे हैं। बाहर से वे अन्य कोई सहायता नहीं ले रहे हैं। प्रयोग का पहला ही वर्ष होने के कारण तथा इस साल अतिवृष्टि से फसल कुछ खराब होने के कारण तथा निवास के लिए एक झोपडी बनाने के लिए इन भाई ने राजस्थान समग्र सेवा संघ के मार्फत सूतांजलि की रकम में से सहायता की मांग की है। तय हुआ कि सूतांजलि से प्राप्त रकम में से रु० 700) रुपया सात सौ सहायता दी जाय।

.....

(धर्मपुरी– 4-8-56) पृ०नं० 163

प्रस्ताव नं० 7 :- 1954-55 के ऑडिट रिपोर्ट की मंजूरी :-

सर्व सेवा संघ की सन् 1954-55 की आडिट रिपोर्ट मेसर्स के० के० माणकेश्वर एण्ड को० नागपुर ने तारीख 19 मार्च 1956 को दी। वह संघ के सारे सदस्यों को परिपत्रित की गई थी। प्रबंध समिति की बैठक में उक्त आडिटेड रिपोर्ट फिर से सदस्यों को दिखाई गई और ~~कन-क~~ वह मंजूर की गई है ऐसा निर्णय लिया गया।

कृषि गोपालन केन्द्र, दुर्गापुरा(राजस्था की ओर से श्री बलवंत सिंह जी का रु० 25000) के अनुदान के मांग का तारीख 30-5-56 का पत्र पेश किया गया। चर्चा के दरम्यान यह बताया गया कि केन्द्र की प्रबंध समिति की तारीख 15 दिसंबर 1955 की बैठक के प्रस्ताव से रु० 21000) मंजूर किये हैं। जब संघ के पास राजस्थान गोसेवा संघ की कोई अंकित निधि भी नहीं है। संघ गांधी स्मारक निधि आदि से आर्थिक सहायता लेकर औरों को अनुदान दे, यह नीति कहां तक ठीक है? उक्त केन्द्र स्वयं ही सीधा गांधी स्मारक निधि आदि संस्थाओं से आर्थिक सहायता क्यों न प्राप्त करें? चूंकि राधाकृष्णजी से ~~यह~~ इस विषय संबंधित जानकारी है इसलिये इसका निर्णय उनकी उपस्थिति में आगामी बैठक में लिया जाय।

www.vinoba.in

(पलनी– 19-11-56)
(19-11-56)

पृ०नं० 181

प्रस्ताव नं० 17 :- राजस्थान गो०से०संघको 31 हजार अनुदान ।

राजस्थान गोसेवा संघ के कृषि गोपालन केन्द्र, दुर्गापुर की ओर से श्री बलवन्तसिंहजी के रु० 31000) के अनुदान की मांग के तारीख 30-5-56 के पत्र पर निर्णय लेना धर्मपुरी प्रबंध समिति की बैठक में श्री राधाकृष्णजी की अनुपस्थिति के कारण स्थगित रखा गया था । वह फिर से पेश किया गया। विचार होकर तय हुआ कि उक्त केन्द्र को रु० 31000) हजार का अनुदान गो-सेवा संघ की अंकित निधि में से दिया जाय ।

= = = = =

पृ०नं० 182

प्रस्ताव नं० 18 :- पिपरी केन्द्र पर ब्याज लगाने संबंधी

श्री राधाकृष्ण जी ने बताया कि कृषि गो सेवा केन्द्र पीपरी के 55-56 साल के खर्च में विभाग के काम में लगी हुई पूंजी पर ब्याज रु० 3622 और मकान किराये का 1572) दोनों मिलकार रु० 5194) का नया खर्च जोडा गया है । जो पहले नही जोडा जाता था । उक्त केन्द्र का काम खादी काम की तरह व्यावसायिक न होकर विकास का काम है, इसलिए उसमें ब्याज किराया खर्च जोडना उचित नही है ।

श्री सिध्दराज जी ने बताया कि, खादी, ग्रामोदयोग, कृषि गो–पालन, शिक्षण आदि संघ की सारी प्रवृतियों में सामान्य नियम अम्ल मे लाने की दृष्टि से इस साल उक्त खर्च जोडे गये है । गो–सेवा संघ के सर्व सेवा संघ में विलीन हो जाने के बाद भी पिछले कुछ वर्षों में गलती से कृषि–गो-सेवा के केन्द्रों पर वह खर्च नही लगाया गया था और इस वर्ष वह कमी दुरुस्त हो गई है । नियम में परिवर्तन करना हो तो वह प्रबंध समिति सोचे । तय हुआ कि इस बारे में आगामी मीटिंग में निर्णय लिया जाय ।

= = = = = =

www.vinoba.in

धि समिति रजि० नं० 3)

(सेवाग्राम– 8-7-57) पृ०नं० 38

प्रस्ताव नं० 9 :- गो - सेवा समिति गठन

श्री० जानकीदेवी बजाज ने कहा कि जिस प्रकार संघ ने देश में चल रहे खादी ग्रामोद्योगों के काम का मार्गदर्शन करने के लिये खादी-ग्रामोद्योग समिति बनाई है उसी प्रकार अब जब कि ग्रामदान के बाद ग्राम निर्माण का काम भी जगह–जगह उठाया जा रहा है तब गो–वंश सुधार इत्यादि के काम में मार्ग-दर्शन करने के लिये संघ को सक्रिय रूप से सोचना चाहिये । चर्चा के बाद इस संबंध में नीचे लिखे अनुसार प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

''ग्रामदान के बाद गाँवों के पुनर्निर्माण के काम में तथा गाँवों की आर्थिक रचना में गो–वंश सुधार और पशु–पालन का बड़ा महत्व है । यह काम खेती सुधार का एक आवश्यक अंग है । सर्व सेवा संघ की ओर से नीचे लिखे सदस्यों की एक स्थायी गो-सेवा समिति रहे जो इन कामों के बारे में विचार तथा मार्गदर्शन करें ।

(1) श्री० धीरेन्द्र मजूमदार

(2) श्री० आर० श्री० धोत्रे ।

(3) श्री० जानकी देवी बजाज ।

(4) श्री० ब०सा०देशपांडे ।

(5) श्री० राधाकृष्ण बजाज (संयोजक)

= = = = = = =

(बंबई– 20-4-59) पृ०नं० 148

प्रस्ताव नं० 9 :- कृषि गो सेवा समिति

चालीस गाँव के प्रस्ताव के अनुसार कृषि गो सेवा के काम को नया मोड़ देने के सिलसिले में ता० 12 से 25 मार्च तक श्री० विनोबाजी की उपस्थिति में कृषि गो– सेवा सम्मेलन, सीकर (राजस्थान) में हुआ । सम्मेलन की कार्रवाई, और वहाँ स्वीकृत निवेदन तथा समिति के गठन संबंधी उसकी सिफारिश विचारार्थ पेश की गई। सम्मेलन द्वारा सुझाई गई नीचे लिखे सदस्यों की कृषि-

www.vinoba.in

गो-सेवा समिति गठन की गई :—

(1) श्री ढेबर भाई, अध्यक्ष।

(2) श्री राधाकृष्ण बजाज, उपाध्यक्ष।

(3) श्री य०म०पारनेरकर, मंत्री।

(4) श्री बलवंतराव देशपांडे, सहमंत्री

(5) श्री बद्रीनारायण सोठानी, ''

(6) श्री श्रीमन्नारायणजी

(7) श्री लक्ष्मनलजी

(8) श्री जानकीदेवीजी

(9) श्री धीरेन्द्रभाई

10) श्री मानसिंह भाई

11) श्री शिवशंकर रावल

12) श्री व०म०बुरडे

13) श्री अप्पासाहब।

14) श्री रामेश्वर अग्रवाल।

15) श्री कृष्णप्पाजी उप कृषि मंत्री भारत सरकार।

16) श्री कमलनयन बजाज।

17) श्री परमेश्वरी प्रसाद गुप्त।

18) श्री कालेलकरजी।

समिति में अधिक सदस्य बढाने के बारे में चर्चा हुई। उस समय यह विचार सामने आया कि संघ के विधान में जो नया बदल हो रहा है उसको देखकर ही नये सदस्य लेना ठीक होगा। इसलिये तय हुआ कि सीकर सम्मेलन में प्रस्तावित सदस्यों की ही समिति अभी मान्य रहे और उसे आवश्यकतानुसार नये सदस्य बढाने का एवं कार्यसमिति बनाने का अधिकार दिया जाय। समिति अपने काम व संचालन के बारे में कुछ नियम बनाये जो अन्य समितियों के संचालन के लिये भी अनुकरणीय हो। श्री ढेबरभाई से निवेदन किया गया कि वे श्री विनोबा जी की सलाह से ऐसे नियम बनायें।

=.=.=.=.=.=

(बंबई— 20-4-59) पृ०नं० 148

प्रस्ताव नं० 10 :- पीपरी केन्द्र का खर्च प्रधान केन्द्र से चले

पीपरी के कृषि-गो-सेवा केन्द्र कार्य को भी ग्राम-स्वराज्य की दिशा में नया मोड देने का प्रयत्न हो। पीपरी का प्रयोग जन आधारित नहीं होगा, इसलिये उसका खर्च पूर्ववत जनरल (सामान्य निधि) से जारी रखा जाय और कृषि-गो-सेवा समिति इसका संचालन करे।

www.vinoba.in

=.=.=.=.=.=

(बंबई– 20-4-59) पृ०नं० 148

प्रस्ताव नं० 11 :- गो सेवा चर्मालय कृ०गो०सेवा समिति चलावे :-

सीकर सम्मेलन में श्री० विनोबाजी तथा श्री० गोपालराव वालुजकर की उपस्थिति में चर्मालय के संबंध में जो चर्चायें हुई, उसकी जानकारी श्री० राधाकृष्णजी ने दी। और यह भी बताया कि इस बारे में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। चर्चा होकर तय हुआ कि गो-सेवा चर्मालय की स्थापना गो-सेवा समिति इसका संचालन करे और गो-सेवा की दृष्टि से आगे किस तरह से चलाया जाय, वह तय करें।

=.=.=.=.=.=

(पूसा रोड– 1-7-59) पृष्ठ नं० 181

प्रस्ताव नं० 8 :- खेती प्रशिक्षण छात्रवृत्ति

खेती~~कार्यकर्ता~~ प्रशिक्षण विद्यालयों में कृषि शिक्षक वही हो जिन्होंने अपने हाथ से खेती करके स्वावलंबन का सफल प्रयोग किया हो। इस विचार के मुताबिक श्री० बनवारी लाल चौधरी और श्री० गोविन्द रेड्डी के पास कुछ कार्यकर्ताओं को सालभर कृषि शिक्षण के लिए भेजने के बारे में चर्चा होकर निश्चय हुआ कि इस संबंध में निर्माण समिति आखिरी तौर पर कुछ योजना व नीति तय करें। फिलहाल श्री० बनवारी लाल चौधरी के पास दो कार्यकर्ताओं को भेजा गया है उनको रु० 40 प्रति व्यक्ति प्रति मास के हिसाब से वर्ष भर के लिए रुपये 960) छात्रवृत्ति दी गई।

= = = = = = = =

(सेवाग्राम– 25-8-59) पृ०नं० 191

प्रस्ताव नं० 9 :- खेती प्रशिक्षण छात्रवृत्ति।

ग्रामदानी गांवों में निर्माण काम के लिए कृषि के जानकार कार्यकर्ताओं की विशेष जरूरत होती है। अतः ऐसे कार्यकर्ताओं को कृषि या प्रयोगिक और शास्त्रीय ज्ञान देने की कुछ व्यवस्था की जा सके तो वह उपयुक्त होगा। श्री धीरेन्द्रभाई व श्री० अण्णासाहब ने इस प्रकार की ट्रेनिंग की कहीं अनुकूलता हो

www.vinoba.in

सकती है इसकी कुछ कार्यकर्ताओं से चर्चा की थी । श्री बनवारीलालजी चौधरी और श्री गोविन्द रेड्डी (चावडा) ने इस प्रकार की ट्रेनिंग देने की अपनी तैयारी बताई । जो कार्यकर्ता ट्रेनिंग के लिए जायं उन्हें निवास, भोजन की व्यवस्था वगैरह की दृष्टि से कुछ छात्र-वृत्ति दी जाय तथा खेती के लिए व निवास की व्यवस्था की दृष्टि से साधन वगैरह के लिए परिशिष्ट कुछ सहायता दी जाय । तय किया गया कि 15 तक छात्रों के लिए 40) रु० प्रति माह, प्रति व्यक्ति के हिसाब से एक वर्ष के लिए रु० 1700) तक की छात्रवृत्ति दी जा सकती है तथा साधन, निवास के शेड, वगैरह के लिए श्री बनवारी लालजी चौधरी के आश्रम को रु० 1500) तक की तथा श्री रेड्डीजी को रु० 2000) तक की सहायता दी जा सकती है ।

= = = = = = = = =

(वाराणसी— 29-10-59) पृ०नं०212

प्रस्ताव नं० 15 :- कृ०गो०से०समिति की 8 लाखकी योजना गांधी निधि के पास भेजी जाय

श्री राधाकृष्ण बजाज ने कृषि गो सेवा समिति की ओर से भेजी गई गांधी स्मारक निधि से सहायता प्राप्त करने संबंधी योजना की जानकारी कराई, जिसमें गोरस भंडार, नस सुधार, बछडी पालन, सांड-निर्माण, चारा व्यवस्था, गो— विद्यालय , पशु-चिकित्यालय व कृषि-सुधार प्रयोग, और प्रादेशिक संगठक रखने वगैरह के 9 कार्यक्रम थे । पांच वर्ष के खर्च के लिये रु० 812500) की मांग की गई है । तय किया गया कि योजना गांधी स्मारक निधि की प्रबंध समिति की सिफारिश के साथ भेज दी जाय ।

= = = = = = = = =

www.vinoba.in

बंध समिति रजि० नं० 4)

(सेवाग्राम— 19-3-60) पृ०नं० 27

प्रस्ताव नं० 24 :- कृषि गो सेवा ======= समिति की रिपोर्ट

गो-सेवा समिति का कार्य भारत के सांस्कृतिक सामाजिक और आर्थिक नवरचना के अनुसन्धान में सोचा जाना चाहिये। गाय की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुये और उसकी सेवा के जरिए प्राणिमात्र के प्रति करुण भाव जागृत करने की दृष्टि से गोवंश को मानव-समाज में अपने परिवार में अभिन्न स्थान दिया है। और उसे अवध्य माना है। भारत का यह कदम मानव जाति के लिए संस्कार वृध्दि के क्षेत्र में अनुपम था।

जन संख्या की वृध्दि एवं जमीन की कमी के कारण भारत के लोग स्वयं ही जब तक्लीफ में है उनकी ओर से गो—सेवा की अपेक्षा करना मुश्किल माना जाता है। लेकिन हमें समझना चाहिये कि जैसे बिना खेती भारत की आर्थिक उन्नति नहीं हो सकती, उसी प्रकार बिना गाय भारत की खेती नहीं हो सकती व भारत का स्वास्थ्य सुधरेगा। भारतीय भूमि को जोतने के लिए जिस शक्ति की जरूरत है वह बैल से ही प्राप्त हो सकती है। ट्रैक्टर का उपयोग सीमित मात्रा में हो सकता है लेकिन सारी खेती ट्रैक्टर से करनी हो तो न उतने ट्रैक्टरों की गुंजाईश है और न सम्भावना है।

भारत में जितनी जमीन है जितना चारा पैदा किया जा सकता है उसको देखते हुये यह वांछनीय नहीं है कि खेती के लिये बैल और दूध के लिये भैंस दो दो पशु रहें भले ही भैंस व्यक्तिगत दृष्टि से लाभादयक लगती हो दो प्रकार के पशुओं का बोझ उठाना सम्भव नहीं होगा। इसीलिये उसी नस्ल को बढावा दियाजाय जिससे बैल अच्छे हो और दूध भी अधिक हो सके। पशुओं की संख्या कम रहे और अच्छी ही पशु पैदा हो इसके लिये रद्दी सांडों को बधिया किया जाय और ~~स~~ कण्ट्रोल ब्रिडिंग हो।

इन बातों में हमारा दिमाग साफ हो जाय तो ध्यान में आयेगा कि गायों को बढावा देने में गाय की रक्षा तो होगी ही हमारी भी रक्षा होगी। गाय को बढावा देने का अर्थ है उसकी पालन और नस्ल सुधार में हमारी शक्ति लगाना।

www.vinoba.in

इसलिए जरूरी है कि इस आयोजन में गाय की उन्नति के लिए स्पष्ट हो। भारत में आज गायों की जो स्थिति है उसके तीन भाग किये जा सकते है।

(अ) जिन प्रदेशों में गाय आज भी आर्थिक दृष्टि में छाडी है जैसे राजस्थान, गुजरात(सौराष्ट्र), मालवा, हरियाणा आदि भागों में वहां केवल गाय को ही बढ़ाया जाय। भैंस का विस्तार न हो।

(आ) जिन प्रदेशों में गाय या भैंस दोनों ही अच्छी स्थिति में नहीं है वहां गाय को आगे लाने का यत्न किया जाय जैसे- आसाम, उडीसा, बंगाल आदि।

(इ) जहां गाय और भैंस में प्रतियोगिता चल रही है, वहां गाय को संरक्षण दिया जाय। यानि सरकारी मदद गाय को ही दी जाय। अन्य भी जो बातें जरूरी हो की जायें।

गाय और मनुष्य दोनों का निर्वाह तभी हो सकता है जब हम कृषि आयोजन में अनाज (क्रोप प्लानिंग) के साथ साथ चारे का भी (फाडर-प्लानिंग) का भी आयोजन करें और देश में जहां जहां भी चारे के साथ न उपलब्ध हो उनका ठीक ढंग से उपयोग करें। मिक्स फार्मिंग को बढावा दें।

खेती की उर्वरा शक्ति बढाने के लिये साथ साथ पशुओं के खाद का सम्पूर्ण उपयोग करना ही होगा। इसलिए ईंधन का प्रश्न हल करने के लिये गैस प्लेंट की ओर ध्यान देना होगा।

मृत पशु के चमडे, हड्डी, सींग आदि का पूरा उपयोग करने के लिए चर्मालयों की व्यवस्था हो।

जो पशुधन निरूपयोग बन गये है उसका भार कम करने के लिये गौ-सदनों की योजना हो। गाय के दूध-घी के मार्केट को हानि पहुंचानेवाले जमायें तेल, विदेशी मिल्क पाउडर जैसी चीजों पर रोक लगनी चाहिए।

ग्राम स्वराज्य के संदर्भ में आज आवश्यक है कि कृषि गोपालन खादी ग्रामोद्योग और नई तालीम इन पांचों को समग्र दृष्टि से चलाया जाय। जहां एक प्रवृत्ति मुख्य हो वहां अन्य प्रवृत्तियां भी प्रतीकात्मक रूप से चलनी चाहिए, तभी हमारे हर काम की प्रतिष्ठा मिलेगी। हमारा ग्राम समाज में परिवर्तन

www.vinoba.in

लाने का है। अतः कोई काम लोक सम्मति के बिना आज के समय में नहीं होना चाहिए, अतः व्यापक लोक-शिक्षण की योजना होनी चाहिए। हर रचनात्मक केन्द्र में कम से कम एक गाय तथा एक सांड रखकर इस काम का आरम्भ किया जा सकता है। कार्यकर्तागण घर तथा केन्द्र में गाय के ही घी, दूध के इस्तेमाल का आग्रह रखकर गो-सेवा में सहायक हो सकते है।

यह भी खुशी की बात है कि शासन भी इस कार्य में समिति को सहानुभूति के साथ सहायता दे रहा है। समिति का काम है कि वह शासन विशेषज्ञ और जनता के बीच कड़ी बनकर सबको जोड़ दें।

= = = = = = =

(बंगलोर--27-10-60) पृ०नं० 82

प्रस्ताव नं० 16 :- कृषि गो सेवा मंत्री नियुक्ति।

समिति के अध्यक्ष श्री ढेबरभाई ने गो-सेवा समिति के काम की जानकारी कराते हुए बताया कि राजस्थान के बीकानेर क्षेत्र में गाएं बड़ी संख्या में है तथा वहां ध्यान देने पर कापी काम होनेवाला है। इसलिए वहां का संगठन मजबूत बना लिया गया है। राजस्थान में तृतीय पंचवर्षीय योजना में एक भैंस का बड़ा ब्रीडिंग फार्म खोलना तय हुआ था। उसे रोक दिया गया है। उसके बदले राजस्थान सरकार ने बीकानेर विभाग में गोपालन की एक बड़ी योजना बनाई गई है।

गुजरात में अभी अक्तूबर में ही नया संगठन बनाया गया है। अहमदाबाद में दूध का काम म्युनिसिपैलिटी के आधीन है। वहां गायों का दूध फैट परसेंट से लिया जाता है। इस कारण गो-दूध के दाम बहुत कम मिलते है। प्रयत्न किया जा रहा है कि इस पद्धति में परिवर्तन हो तथा गो-दूध का भाव भैंस के दूध के बराबर मिलें। राजकोट तथा आनन्द में गाय की जगह भैंस का प्रवेश बीच के वर्षों में हो गया। उस स्थिति के बदलने का प्रयत्न किया जा रहा है।

www.vinoba.in

दूसरा काम गो-संवर्धन कौंसिल के पुनर्गठन का हुआ है। श्री ढेबर भाई ने बताया कि इस बारे में वे श्री विनोबाजी से मिले थे। उन्होंने तीन बातें बताई थी। :— (1) गो संवर्धन कौंसिल सर्व सेवा संघ की नीति को मान्य करे। (2) गाय और भैंस के दूध के दाम समान मिले और गाय को बढाया जाय ऐसा उसका कार्यक्रम हो। एक सेक्रेटरी हमारा और एक सेक्रेटरी सरकारी हो। यह तीनों बाते मान्य करा ली गई है। भारत सरकार के कृषि मंत्री श्री एस0 के0 पाटिल इस कार्य में पूरा सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने संसद में भी जाहिर किया कि कृषि गो सेवा कार्य वगैरह जन-संपर्क के नहीं हो सकता तथा जन-संपर्क गैर सरकारी संस्था ही अधिक कर सकती है। प्लानिंग कमीशन ने भी तय किया है कि कृषि और गो-सेवा का सम्मिलित विचार करेंगे।

वर्धाकी गोसेवा काम के बारे में श्री ढेबर भाई ने कहा कि उनकी कल्पना है कि वहां कृषि, गोपालन, पशु चिकित्सा और चर्मालय के शिक्षण की पूरी व्यवस्था हो जिसमें अद्यतन विज्ञान का उपयोग किया जाय। प्रत्यक्ष काम करनेवाले किसानों के लिए थोडे समय का रिफ्रेशर कोर्स चलाया जाय तथा परिपूर्ण ज्ञान के लिए कृषि- गोसंवर्धन कालेज रहे, जिसके अन्तर्गत गोरस भंडार, पीपरी गोशाला और चर्मालय तीनों कर दिए जायें। इस प्रसंग पर श्री अण्णासाहेब ने कहा कि अभी सेवाग्राम में पैतीस गांवों के किसानों की सभा हुई थी। उन लोगों ने दो-तीन माह के अल्पकालीन कोर्स की मांग की और वे चाहते हैं कि शिक्षण का अभ्यासक्रम वे ही बनायेंगे। श्री ढेबर भाई ने इसमें अपनी सहमती प्रगट की।

श्री ढेबरभाई ने बताया कि सर्व सेवा संघ की कृषि गो-सेवा समिति के मंत्री श्री ~~करने~~ पारनेरकरजी के गोसंवर्धन कौंसिल में जाने के कारण कृषि गो सेवा समिति के मंत्री के रिक्त स्थान पर श्री छगनलाल जोशी की नियुक्ति की गई। प्रबंध समिति ने इसकी स्वीकृति दी।

=.=.=.=

(बंगलोर- 27-10-60) पृ0नं0 84

प्रस्ताव नं0 22 :- <u>कृषि गो-सेवा समिति को बजट से अतिरिक्त खर्च</u>

कृषि- गो सेवा समिति के गोरस भंडार, वर्धा के अन्तर्गत दूध का उत्पादन बहुत अधिक होने और शहर में सारे दूध की बिक्री न हो सकने के कारण

www.vinoba.in

समिति को 1959–60 में रुपये 38971–48 का बजट के अतिरिक्त घाटा सहना पड़ा । चर्चा होकर तय हुआ कि नयी मोड के संदर्भ में अन्य संस्थाओं की तरह कृषि गो सेवा समिति को भी विचार करना चाहिए और वर्धा के काम का क्या लक्ष्य है उससे हम क्या सिद्ध करना चाहते हैं और उस प्रयोग का क्या क्रम होगा इत्यादि पूरी निश्चित योजना प्रबंध समिति के सामने रखनी चाहिए ।

= = = = =

(सर्वोदयपुरम– 20-4-61) पृ०नं० 138

प्रस्ताव नं० 10 :- द० भारत कृ० गो० स० को अनुदान

दक्षिण भारत कृषि गो–सेवा समिति को सर्व सेवा संघ ने पाँच हजार रुपये कर्ज के रूप में दिए थे । गांधी स्मारक निधि या अन्य कहीं से यह रकम प्राप्त करके सर्व सेवा संघ का यह कर्ज वापिस करने की बात थी । लेकिन इस रकम की कोई व्यवस्था नहीं हो सकी है इसलिए यह कर्ज सर्व सेवा संघ अनुदान के रूप में उन्हें दे ऐसी उनकी माँग है । ट्रस्टी मंडल ने भी अनुदान देने की सिफारिश की है ।

तय हुआ कि उक्त रकम कर्ज के मद से हटाकर अनुदान के मद में द०भा० कृषि गो सेवा समिति को दी जाय ।

= = = = = = = = =

(काशी– 13-4-61) पृ०नं० 175

प्रस्ताव नं० 29 :- पीपरी केन्द्र का घाटा मंजूर

वर्धा के गोरस भंडार में 1959–60 साल में रुपया 38 हजार 9 सौ 71 रुपया 48 नये पैसे का घाटा आया था । उस घाटे को मंजूर करने से पहले वर्धा में गो सेवा के जो प्रयोग किए गए, उनके संबंध में जानकारी देकर आगे वर्धा के लिए क्या योजना सोची है, उसकी जानकारी प्रबंध समिति के सामने रखी जाय, ऐसा तय हुआ था ।

www.vinoba.in

श्री राधाकृष्ण बजाज व श्री अण्णा सहस्त्रबुध्दे ने नुकसान किस कारण हुआ इसकी जानकारी दी । एक लिखित रिपोर्ट भी देने का आश्वासन दिया ।

तय हुआ कि वर्धा गोरस भंडार का 1959-60 साल का रुपया 3897।=48 नं0 पैसे का घाटा मंजूर किया जाय ।

= = = = = =

(प्रबंध समिति रजि0 नं0 5)

(आरामबाग- 23-4-63) पृ0नं0 104

प्रस्ताव नं0 13 :- गो संवर्धन के प्रश्न

कृषि गो सेवा समिति द्वारा कुछ विचारणीय प्रश्न उठाये गये थे, जिनकी चर्चा प्रबंध समिति के साथ की गई ।

प्रारंभ में श्री देवरभाई ने गोसंवर्धन के कार्य की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि पिछले वर्ष दो प्रयोग किये गये :-

(1) जम्बई की आरे कालोनी में केवल भैंस का दूध निर्माण किया जाता है । गाय के दूध की संभावनाओं को जाँचने की दृष्टि से राठी जाती की 25 और गीर जाति की 25 इस तरह कुल 50 गायें प्रयोग के लिए कृषि गो सेवा समिति द्वारा दी गईं। उसके परिणाम उत्साह-वर्धक दिखाई दिये । इसलिये तीन महीनों के बाद उनकी मांग पर और 50 गायें दी गईं ६: महीनों के बाद इस प्रयोग के संबंध में मिल्क कमिशनर की रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि भैंस की तुलना में गाय केवल दो फीसदी फैट परसेंट में कम पड़ती है । लेकिन एक लैक्टेशन पीरियड में दूध की मात्रा तथा प्रति सेर दूध निर्मिति का खर्च देखते हुए गाय भैंस से बेहतर मालूम देती है । आरे कालोनी ने अब 500 गायों की मांग की है।

www.vinoba.in

(2) बीकानेर क्षेत्र में 1 मार्च 1962 से दूध निर्मिति का काम शुरू हुआ। शुरू में आठ मन दूध आता था। अब प्रतिदिन 200 मन दूध आ रहा है। लेकिन दूध के साथ वहां पर मिश्र फसल का उत्पादन और ऊन कताई का सुदयोग शुरू किया गया है, जिससे गवालो की आमदनी दुगुनी हो गई है। इस तरह से कृषि ग्रामोदयोग और गोपालन तीनों साथ चलाने का प्रयोग शुरू किया है।

श्री ढेबर भाई द्वारा उठाये गये कुछ नीति के प्रश्नों के सम्बन्ध में श्री विनोबाजी ने अपनी राय निम्न प्रकार दी :-

(1) भारत में फी व्यक्ति साढे सात तोले दूध है। इस स्थिति में दूध के रूप में ही दूध का उपयोग करने को उत्तेजन दिया जाना चाहिये। फी व्यक्ति 1 पौंड दूधका निर्माण जब तक नही होता है तब तक मिठाई में दूध का उपयोग करना गुनाह मानना चाहिये।

(2) जहां से दूध इकट्ठा किया जता है वहां के गवालों के बच्चों को दूध मिले इसलिये कुछ प्रमाण में उनके घर से दूध रखना आवश्यक किया है, यह नीतितो ठीक ही है। लेकिनजहां से दूध इकट्ठा किया जाता है, उस समूचे गांव के बच्चों को भी पर्याप्त दूध या छाछ मिले इस ओर भी ध्यान देना चाहिए। ये एक ग्राम - योजना का विषय है।

(3) सिलेक्टिव ब्रीडिंग का विचार योग्य ही है। नंदी और बैल में फर्क मानी ही गया है। इसलिये अच्छे नंदी द्वारा ही संतति-निर्माण का काम होना चाहिए।

(4) क्रास ब्रीडिंग के लिये मेरा मानसिक विरोध नही है। सर्वांगी (हयूअलपरपर) नसल की बढावा मिले यह ध्यान में रखा जाय। इस सम्बन्ध में सायन्स जो कहेगा, उसके अनुसार किया जाय।

(5) कृत्रिम रेतन (आर्टीफीशल इनसेमिनेशन) के खिलाफ मेरी भावना आध्यात्मिक दृष्टि से है।

(6) गोवध बंदी के कानून के संबंध में कुछ लोगों की गलत धारणा रही है कि गांधीजी गोवध बंदी के कानून के खिलाफ थे।

www.vinoba.in

''स्वराज्य के बाद भारत कानून से गोवधबंदी कर सकता है। इस आशा का गांधीजी का कथन श्री-- किशोरलाल भाई मश्रुवाला ने गांधीजीके लेखों पर से उद्धृत किया है। गोवध बंदी के कानून से मुसलमानों की धर्मभावना को ठेस पहुँचेगी, ऐसा कुछ लोग कहते हैं, वह भी गलत है। कुरान में कहीं भी गोकुशी के लिए आधार नाही हैं। इसलिए ऐसा कानून बनाना इस्लाम पर प्रहार नहीं समझा जायगा। गोवधबंदी के सम्बन्ध में सर्व सेवा संघ की अपनी नीति स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव करना चाहिए।

भैंस के हम लोग विरोधी तो नहीं है। जिस प्रदेश में या पहाड़ों आदि में गाय टिक नहीं सकतीं, लेकिन भैंस टिक सकती है या जिन प्रदेशों में भैंसो द्वारा खेती होती हो, वहां भैंस को जरूर उत्तेजन किया जाय।

=.=.=.=.=.=.=.=.=

(आरामबाग-- 23-4-63) पृ०नं० 106

प्रस्ताव नं० 14 :- समिति का पुनर्गठन :-

कृषि गो-सेवा समिति का निम्न प्रकार पुनर्गठन किया गया

(1) श्री	उछंगराय नवलशंकर ढेब	(अध्यक्ष)
(2) श्री	राधाकृष्ण बजाज	(उपाध्यक्ष)
(3) श्री	नलिन मेहता	(मंत्री)
(4) श्री	बलवंतराय देशपांडे	(मंत्री)
(5) श्री	य०म०पारनेरकर	(मंत्री)
(6) श्री	श्रीमन्नारायणजी	(सदस्य)
(7) श्री	तखतमल जैन	(सदस्य)
(8) श्री	मोरारजी देसाई	(सदस्य)
(9) श्री	परमेश्वरी प्रसाद गुप्ता	(सदस्य)
(10) श्री	जगनलाल जोशी	(सदस्य)

www.vinoba.in

(11) श्रीमती जानकी देवी बजाज (सदस्य)

(12) श्री कमल नयन बजाज (सदस्य)

(13) श्री धीरेन्द्र भाई (सदस्य)

(14) श्री अण्णा साहब सहस्त्रबुध्दे (सदस्य)

(15) श्री अक्षयकुमार करण (सदस्य)

(16) श्री सरदार दातार सिंह (सदस्य)

(17) श्री संत तुकडोजी महाराज (सदस्य)

(18) श्री बाबूभाई जसभाई पटेल (सदस्य)

(19) श्री मुकुन्दराय त्रिवेदी (सदस्य)

(20) श्री शिवशंकर रावल (सदस्य)

(21) श्री दत्तात्रेय मंजुनाथ बुरडे (सदस्य)

(22) श्री गोकुलभाई भट्ट (सदस्य)

(23) श्री गोपालराव वालुंजकर (सदस्य)

(24) श्री शांति प्रसादजी जैन (सदस्य)

(25) श्री महेन्द्र मोहन चौधरी (सदस्य)

(25) श्री ओमप्रकाश त्रिखा (सदस्य)

(27) श्री बद्रीनारायणजी गाडोदिया (सदस्य)

(28) श्री सेठ गोविन्ददासजी (सदस्य)

(29) श्री जयन्तिलालजी मानकर (सदस्य)

(30) श्री लोचन दासजी (सदस्य)

(31) श्री धर्मचन्दजी सरावगी (सदस्य)

(32) श्री वैद्यनाथ प्रसाद चौधरी (सदस्य)

(33) श्री सौंडिजी (सदस्य)

(34) श्री कृष्णप्पाजी (सदस्य)

(35) श्री राजासाहिब भद्री (सदस्य)

(36) श्री धर्मदेव शास्त्री (सदस्य)

(37) श्री प्राणलाल भाई कापडिया (सदस्य)

(38) श्री नवकृष्ण चौधरी (सदस्य)

(39) श्री माधवन नैयर (सदस्य)

(40) श्री शालिग्रामजी (सदस्य)

(41) श्री दिल्ली से एक सदस्य (सदस्य)

www.vinoba.in

(42) श्री मोहनलालजी सुआडिया (सदस्य)

(43) श्री रामप्रसादजी बंडेलवाल (सदस्य)

(44) श्री कन्हैयालाल चौधरी (सदस्य)

(45) श्री देवकीनन्दन नारायण (सदस्य)

(46) श्री अध्यक्ष इन स्थानों की पूर्ति करेंगे।

(47) श्री अध्यक्ष - खादी ग्रामोद्योग समिति

(48) श्री मंत्री- खादी ग्रामोद्योग समिति

(49) श्री अध्यक्ष- अ0भा0 सर्व सेवा संघ

(50) श्री मंत्री- अ0भा0 सर्व सेवा संघ

= = = = =

समिति रजि0 नं0 6)

(मधुबनी - 15-1-67) (पृ0नं0 82-ब)

प्रस्ताव नं0 11 :- गोवध बंदी आंदोलन

गोवध- बंदी आन्दोलन के सिलसिले में देश में अब तक जो घटनाएँ हुई उन पर गंभीरता से चर्चा की गयी। चर्चा के अंत में निम्न प्रस्ताव स्वीकृत किया गया :—

''भारत में संपूर्ण गोवंश- हत्या की बंदी जारी की जाय इस प्रश्न ~~को~~ को लेकर सर्वत्र जोर की आवाज उठी है। जगन्नाथपुरी के श्रीमत् जगद्गुरु शंकराचार्य और श्री प्रभुदत्त ब्रम्हचारी ने इस प्रश्न को लेकर पिछले 58 दिनों से अनशन जारी रखा है।

भारत सरकार ने लोक-सभा में जो आश्वासन दिया उतना पर्याप्त नहीं माना गया। सरकार ने इस प्रश्न का सांगोपांग विचार करने के लिए उच्चाधिकार समिति नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा है और जगद्गुरु की तथा ब्रम्हचारी जी को

अनशन समाप्त करने की विनती भी की ।

भारत में गोवंश की हत्या न हो, यह भावना भारतीय संस्कृति के आधार पर स्थित है । भारत ने मानवेतर प्राण्यिों में से विचारपूर्वक गाय को अपने परिवार में स्थान दिया है । इसलिए यह मानवीय संस्कृति का अगला बड़ा कदम है ।

इस सम्बन्ध में श्री. विनोबाजी ने हनुमान प्रसादजी पोद्दार को लिखे पत्र में, श्री. जयप्रकाश नारायण ने श्रीमत् जगद्गुरु को लिखे पत्र में और श्री. दादा धर्माधिकारी ने प्रधानमंत्री श्री. इन्दिरा गांधी को लिखे पत्र में संपूर्ण गोवध-बंदी की पुष्टि में जो विचार और भावना व्यक्त की है, उसके साथ प्रबंध समिति पूर्णरूप से सहमत है ।

गोवंश में से बैल किसानों के लिए सबसे अधिक उपयोगी जानवर होने के कारण उसकी उपेक्षा या अवहेलना अपेक्षाकृत कम होती है । इसलिए बैल की वृध्दावस्था में खिलाना आर्थिक दृष्टि से अधिक भार रूप नहीं है । और गाय की वृध्दावस्था में खिलाने का संकल्प भारत के संविधान में निहित है ।

इसलिए सर्व सेवा संघ सरकार से विनती करता है कि उसे भारत में गोवंश हत्या की संपूर्ण - बंदी को बिना किसी हिचकिचाहट के तत्वतः मान्य कर लेना चाहिए और भारतीय लोकमत का जो स्पष्ट दर्शन हुआ है, उसका आदर करना चाहिए ।

सर्व सेवा संघ श्रीमत् जगद्गुरु और श्री ब्रह्मचारीजी से भी सादर निवेदन करता है कि गोवध-बंदी के लिए उन्होंने अनशन करके भारत में अनुकूल वातावरण निर्माण किया है एवं देश में इस प्रश्न के प्रति जो भावना व्यक्त हुई है, उसको देखते हुए वे अब अपना अनशन अविलंब छोड़ने की कृपा करें ।''

= = = = = =

www.vinoba.in

(आबूरोड -5-6-68) पृ०नं० 146 /158

प्रस्ताव नं० 18 :- अ०भा० कृषि गो-सेवा संघ विधान

श्री राधाकृष्ण बजाज ने अ०भा० ~~सर्व-स-~~ कृषि गोसेवा संघ के नाम से स्वायत्त संस्था रजिस्टर्ड कराने के संबंध में कृषि गो सेवा संघ द्वारा स्वीकृत विधान का मसविदा पेश किया । विचार होकर तय किया गया कि उक्त विचार के अनुसार अ०भा० कृषि गो सेवा संघ नाम से स्वायत्त संस्था रजिस्टर की जाय । इस संबंध में की कानूनी कार्रवाई प्रबंधक ट्रस्टी करें ।

(पृष्ठ नं० 158)

परिशिष्ट नं० 4 :-

अखिल भारत कृषि गो-सेवा संघ-संविधान

(1) नाम :- संस्था का नाम -"अखिल भारत गो-सेवा संघ" रहेगा ।

(2) कार्यालय :- इसका कार्यालय बम्बई रहेगा । आवश्यकतानुसार कार्यवाहक समिति उसमें परिवर्तन कर सकेगी ।

(3) उद्देश्य :- सत्य और अहिंसा के मार्ग से शोषण विहीन समाज की रचना । इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये कृषि गो - सेवा को मध्य में रखते हुए महात्मा गांधी जी द्वारा बतायें गये समस्त विधायक कार्यक्रमों को चलाना एवं उनके द्वारा ग्राम अर्थ रचना मजबूत करना ।

= = = = = =

संगठन के नियम :-

(1) सदस्यता :- जिनकी उम्र 18 साल से ऊपर हो, और जिन्हें संस्था का उद्देश्य मान्य हो, ऐसे किसी स्त्री-पुरुष की कार्यवाहक समिति की स्वीकृति से संघ का सदस्य बनाया जा सकेगा। संघ के सदस्य निम्न प्रकार होंगे । ये सारे ही साधारण सभा के सदस्य माने जावेंगे ।

www.vinoba.in

(1) आजीवन सदस्य - आजीवन सदस्य वे होंगे-(अ) जिन्होंने कम-से-कम दस साल तक गो सेवा के क्षेत्र में सेवा प्रदान की हो एवं भविष्य में भी जो इसी गो-सेवा के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हों, और (आ) संघ के रजिस्ट्री करने के समय जो प्रथम कार्यवाहक समिति के सदस्य हों ।

(2) मनोनीत एवं पदेन सदस्य :- मनोनीत एवं पदेन सदस्य निम्न प्रकार होंगे :-

(अ) सर्व सेवा संघ द्वारा मनोनीत पाँच प्रतिनिधि ।

(आ) स्टेट गोसंवर्धन कौंसिलों द्वारा एक-एक प्रतिनिधि साधारण सभा के लिए मनोनीत किया जा सकेगा ।

(इ) अध्यक्ष द्वारा मनोनीत विशेषज्ञ आदिका प्रतिनिधित्व हो।

(ई) सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष, मंत्री व प्रबंध ट्रस्टी, तीनों पदेन सदस्य माने जावेंगे । कार्यवाहक समिति को अधिकार होगा कि वह अखिल भारतीय स्वरूप की किसी संस्था के एक या अधिक पदाधिकारियों को साधारण सभा के पदेन सदस्य बना लें ।

(3) संस्था सदस्य :- नीचेनुसार संस्थाएँ सदस्य मानी जायेगी । इनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि संस्था सदस्य कहलायेंगे । हर संस्था साधारण सभा के लिए एक प्रतिनिधि भेज सकेगी । कार्यवाहक समिति को अधिकार होगा कि संस्था देखकर प्रतिनिधियों की संख्या तीन तक बढा दें ।

(अ) प्रदेशीय गो सेवा संगठन जो वार्षिक रु० 101/= चंदा दें ।

(आ) प्रदेशीय गोशाला फेडरेशन जो वार्षिक रु० 101/- चंदा दे।

(ई) गो सेवा या अन्य विधायक कार्य करनेवाली संस्था जो वार्षिक रु० 51/- चन्दा दे ।

(4) साधारण सदस्य — नीचेनुसार साधारण सदस्य हो सकेगा ।

(अ) जो किसी प्रकार का गोव्रत रखते हों और सालाना रु० 1/- चंदा दे । गोव्रत कितने प्रकार के माने जायँ, इसका तफशील कार्यवाहक समिति तय करें ।

(आ) जिन्हें संघ का उद्देश्य मान्य हो और जो सालाना रुपया 11/- चन्दा दें ।

(5) सहयोगी सदस्य जो गो-सेवा में रुचि रखते हैं एवं सालाना रुपया 101/- या अधिक आर्थिक सहायता देते हों वे सहयोगी सदस्य कहलायेंगे।

www.vinoba.in

2— संघ के प्रधान अंग :-

(1) साधारण सभा — संघ की साधारण सभा उपरोक्त तमाम सदस्यों को मिलकर होगी । संघ के नीति - निर्धारण का काम साधारण सभा का रहेगा । संचालन के लिए कार्यवाहक समिति रहेगी, जिसके अध्यक्ष का चुनाव साधारण सभा करेगी एवं कार्यवाहक समिति की नियुक्ति अध्यक्ष करेंगे । साधारण सभा की वार्षिक बैठक में संघ के कामकाज की रिपोर्ट, हिसाब एवं साधारण सुझावों के लिए आगामी बजट रखा जायेगा ।

(2) कार्यवाहक समिति :— सभा के संचालन के लिए एक कार्यवाहक समिति रहेगी, जिसमें कम-से-कम 11 एवं अधिकतम 25 तक सदस्य होंगे । संघ की सारी स्थावर जंगम जायदाद इस समिती में निहित होगी । संचालन के पूरे अधिकार इस समिति को होंगे। संस्था का नीति निर्धारण साधारण सभा करेगी एवं संचालन, प्रबंध कारोबार की सारी जिम्मेवारी कार्यवाहक समिति की होगी ।

कार्यवाहक समिति का गठन नीचे मुताबिक होगा :-

(1) सर्व सेवा संघ द्वारा मनोनीत 5 सदस्य ।
(2) राष्ट्रीय गो सेवा संगठन एवं राष्ट्रीय गोशाला फेडरेशन के प्रतिनिधियों में से 7 तक प्रतिनिधि ।
(3) खादी ग्रामोद्योग कमीशन के 2 प्रतिनिधि ।
(4) पंचायत परिषद का 1 प्रतिनिधि ।
(5) संघ के प्रबंधक ट्रस्टी कार्यवाहक समिति के पदेन सदस्य होंगे ।
(6) आजीवन सेवक, संस्था सदस्य, सहयोगी सदस्य, व्रतधारी सदस्य एवं अन्य सदस्यों में से 10 तक प्रतिनिधि ।

(3) कार्यकाल :-

साधारण सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्षका होगा । आजीवन सदस्यों का कार्यकाल आजीवन होगा । प्रथम कार्यवाहक समिति एवं अध्यक्ष की नियुक्ति सर्व सेवा संघ करेगा । उसके दो वर्ष बाद हर वर्ष एक तिहाई सदस्य निवृत्त हुये उसी तरीके से पुर्ननियुक्त हो सकेंगे । पदाधिकारियों का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा ।

www.vinoba.in

(4) निर्णय :-

संस्था के विधान या नियमों में जो भी परिवर्तन करना हो, उसकी पूर्व सूचना देकर बुलाई गई कार्यवाहक समिति के सामने में उसको पास कराना चाहिये । उसके बाद पूर्व सूचना देकर बुलाई गई साधारण सभा में पास होना आवश्यक होगा । इन बैठकों में कार्यवाहक समिति का कोरम आधे से एवं साधारण सभा का कोरम पन्द्रह प्रतिशत से कम न हो ।

=-=-=-=-=

(सोबीदेवरा - 5-6-68) (पृष्ठ नं0 163)

प्रस्ताव नं0 2 आ :- कृ0 गो0से0 समिति पुनर्गठन :-

अखिल भारतीय कृषि गो सेवा संघ स्वतंत्र स्वायत्त संस्था के रूप में रजिस्टर किये जाने की कार्वाई होने पर सर्व सेवा संघ की कृषि गो-सेवा समिति चालू रहेगी । संघ के अध्यक्ष से निम्न 27 सदस्यों की नयी कार्यवाहक समिति का गठन घोषित किया है :-

सर्व श्री (1) उ0न0 ढेबर अध्यक्ष, (2) श्री राधाकृष्ण बजाज, उपाध्यक्ष (3) रल्लुभाई अडाणी, उपाध्यक्ष, (4) य0म0पारनेकर, मंत्री (5) नलिनभाई मेहता, मंत्री (6) मनमोहन चौधरी, सदस्य (7) जानकी देवी बजाज, - सदस्य(8) र0वरदन, सदस्य(9) करण भाई, (10) प्राणलाल भाई, सदस्य (11) सरदार दातारसिंह, सदस्य(12) मुकुंदभाई त्रिवेदी, सदस्य (13) तुलसीदास भाई विश्राम सदस्य(14) जयन्तीलाल भाई मानकर सदस्य (15) बुरडेजी, सदस्य (16) प्रेमभाई, सदस्य (17) मणिभाई, सदस्य (18) गजाधर सोमाणी, सदस्य (19) प्रतापभाई सरजी वल्लभदास सदस्य, (20) राजासाहब भद्री (21) गुलजारीलाल नन्दा, सदस्य (22) राजासाहब भद्री, सदस्य (23) धर्मचन्द सरावजी सदस्य (24) भक्तवत्सलम्, सदस्य (25) जयाबहन शाह, सदस्य (26) अखिल - अली सदस्य (27) प्रबन्धक ट्रस्टी, सर्व सेवा संघ, स्थायी निमंत्रित: सर्वश्री (1) लोचनदासजी (2) गोविन्ददास जी (3) तख्तमलजी जैन (4) ~~श्रीमन्नारायण~~ श्रीमन्नारायणजी (5) परेगार (6) कमलनयन बजाज (7) देशपाण्डेयजी,

www.vinoba.in